हरिभूमि
रायपुर भूमि

अंबिकापुर में सुबह की धुंध

मैनपाट में कोहरे से जीरो विजिबलिटी, बीते दस दिन से रात का टेंप्रेचर 2-3 डिग्री पर अटका, पूरे राज्य में जोरदार ठंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मैनपाट समेत राज्य की उत्तरी सीमा से लगे क्षेत्रों में पिछले तीन दिन से सुबह के वक्त कोहरे की वजह से जीरो विजबलिटी है। वहां बीते दस दिनों से रात का न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री के बीच अटका हुआ है और पूरा राज्य कड़ाके की ठंड की चपेट में है। अंबिकापुर में नवंबर के महीने में तापमान ने रिकार्ड ब्रेक किया था और दिसंबर के पहले सप्ताह में यहीं पत्तियों पर बर्फ जमने का सिलसिला शुरू हो गया था जो अब तक जारी है।

मौसम विभाग से जुड़े विशेषज्ञों का दावा है तीन साल पहले पूरे दिसंबर में न्यूनतम तापमान पांच डिग्री से नीचे नहीं उतरा था। इस बार उतार-चढ़ाव वाली स्थिति ▶▶|शेष पेज 13 पर

खास खबर

रायपुर में 8.9, पेंड्रा में 4 डिग्री का रिकार्ड

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले दस साल में रायपुर में केवल दो बार न्यूनतम तापमान दस डिग्री के नीचे उतरा है। वर्ष 2018 में 8.9 डिग्री का रिकार्ड है। पेंड्रा में पारा 2015 में 4 डिग्री , जगदलपुर में 2018 में 5.5, अंबिकापुर में 2015 में 3.4 तथा 2024 में 3.7 डिग्री एवं बिलासपुर में न्यूनतम तापमान वर्ष 2019 में 6.5 डिग्री तक गया था।

- नवंबर में रिकार्ड ब्रेक, दिसंबर के पहले सप्ताह में ही पत्तियों में जमने लगी थी बर्फ
- सरगुजा से लेकर बस्तर तक ठंड का प्रभाव, पारा ऊंचा-नीचा मगर ठंड बरकरार

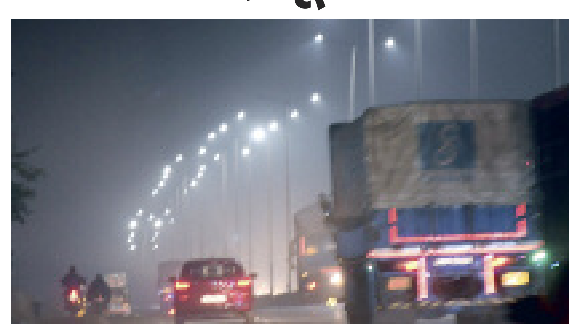

राज्य में जोरदार असर

ठंड का प्रभाव केवल सरगुजा संभाग तक ही सीमित नहीं है। इसका जोरदार असर बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग में भी है। दुर्ग, रायपुर के की पैकेट में तो शीतलहर जैसी स्थिति बन चुकी है और यहां रात का तापमान सामान्य से चार से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे जा चुका है। आने वाले दिनों में तापमान में उतार-चढ़ाव तो होगा मगर मौजूदा ठंड पर इसका कोई खास असर नहीं होगा।

अभी मौसम का हाल (न्यूनतम तापमान)

रायपुर	12.5
माना	9.4
बिलासपुर	11.4
पेंड्रा	7.4
अंबिकापुर	5.8
जगदलपुर	9.5
दुर्ग	8.2

खबर संक्षेप

देह व्यापार का फरार आरोपी ढाई साल बाद गिरफ्तार

रायपुर। देह व्यापार के मामले में ढाई साल से फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में आरोपी पिंटू जायसवाल उर्फ गजेंद्र निवासी ग्राम बरमपुर थाना लालपुर मुंगेली के विरुद्ध सिविल लाइन थाने में धारा 4, 5, 7 पीटा एक्ट एवं 370 भादवि के तहत अपराध दर्ज है। इस केस में पुलिस ने शंकर नगर स्थित द माइंड वेलनेस स्पॉ सेंटर में छापा मारकर मैनेजर आशियाना यादव (थर्ड जेंडर) एवं सहायक मैनेजर राकेश महानंद को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना से संबंधित 2 मोबाइल जब्त किए थे।

सवा दो लाख की चोरी मोबाइल भी किया पार

रायपुर। गुढ़ियारी क्षेत्र में एक ट्रेडर्स के दफ्तर में सवा दो लाख रुपए की चोरी हो गई। घटना 20 से 21 दिसंबर की दरमियान रात की है। प्रार्थी हर्षित सलूजा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि गुढ़ियारी में उसकी सलूजा एजेंसी एंड ट्रेडर्स कंपनी का ऑफिस है। इस ऑफिस के ऊपर का दरवाजा तोड़कर कोई अज्ञात चोर अंदर प्रवेश कर गल्ला में रखे नकद दो लाख रुपए एवं 25 हजार कीमत का एक मोबाइल चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामले में चोरी का अपराध दर्ज किया है।

पीपल पेड़ कटवाने से मना करने पर पीटा

रायपुर। पीपल पेड़ को कटवाने से मना करने की बात पर एक युवक ने दूसरे युवक की पिटाई कर दी। घटना 21 दिसंबर को अपरान्ह 3.45 बजे लालपुर कैपिटल प्लाजा के पास की है। आरोपी गुलाम अशरफ एक पेड़ कटवा रहा था, जिसे प्रार्थी मो. नईम ने मना किया।

500 के नोट में ड्रग्स खींचते नजर आए युवा, खुलेआम हो रहा नशे का कारोबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

सूखे नशे के लिए राजधानी प्रदेश का हॉट स्पॉट बन गया है। लगातार कार्रवाई के बाद भी राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में तस्कर पड़ोसी राज्यों से लाकर प्रतिबंधित नशीले पदार्थ खपा रहे हैं। नए साल के मौके पर किसी भी तरह के सूखे नशे को आने से रोकने पुलिस की नारकोटिक्स सेल के साथ क्राइम ब्रांच तथा थानों की पुलिस को निर्देश दिए गए हैं। बावजूद इसके तस्कर पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। ऐसे ही एक मामले में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, ▶▶|शेष पेज 13 पर

- युवाओं के एक समूह का सूखा नशा लेने का वीडियो वायरल
- वायरल वीडियो के आधार पर युवती सहित 10 संदिग्ध हिरासत में लिए गए

गृहमंत्री बोले- जल्द करेंगे कार्रवाई

राजधानी सहित प्रदेश में बढ़ते नशे के कारोबार को लेकर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पिछले 2 महीने में तेज हुई है। पुलिस एंड टू एंड इन्वेस्टिगेशन कर रही है।

होटल-क्लब जाने से बच रहे

पूर्व में पुलिस ने जिन मादक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है, उनके द्वारा मादक पदार्थ होटल, क्लब में लाकर खपाए जाते थे, इस बात को ध्यान में रखते हुए ड्रग लेने के आदी होटल, क्लब में जाने से बच रहे और अपने दोस्तों के खाली फ्लैट या घर को ड्रग लेने का अड्डा बना रहे हैं।

छह महीने में 80 से ज्यादा पैडलर गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर पूर्व में भी इसी तरह खुलेआम ड्रग लेने का वीडियो वायरल हो चुका है। छह महीने के अंदर पुलिस ने पांच करोड़ रुपए से ज्यादा का सूखा नशा जब्त करने के साथ 85 ड्रग पैडलरों को गिरफ्तार किया है।

नए साल को लेकर एक्टिव

चार माह पूर्व कार्रवाई के बाद ड्रग तस्कर शांत हो गए थे। इसके बाद जो ड्रग लेने के आदी हैं, वे सक्रिय हो गए हैं। ड्रग एडिक्ट खुद पंजाब, महाराष्ट्र के तस्करों से संपर्क कर ड्रग लाकर खपाने का काम कर रहे।

11 महीने में सात सौ दबोचे गए

राजधानी पुलिस 2025 में अब तक नशीले पदार्थ बेचने वाले 700 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। ये आरोपी रायपुर में गांजा, एमडीएमए, एलएसडी, ओजी (विदेशी गांजा) हेरोइन, नशे की गोलियां, अफीम, कफ सिरप बेचते और लाते हुए पकड़े गए।

17 और 7 सेकंड का वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो 17 तथा 7 सेकेंड की है। इस वीडियो में युवक मोबाइल पर बात कर रहा है। युवती वीडियो बनाते और गालियां देते नजर आ रही है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक टेबल पर मोबाइल, पैसे और ड्रग्स एमडीएमए, कोकीन होने की आशंका है। नोट पर 19 लाइन खिंची हुई टेबल पर दिख रही है। लाइन के पास क्रेडिट कार्ड पड़ा हुआ है। इस वीडियो को युवती ने ही बनाया है।

धर्मांतरण व हमले के विरोध में 24 को बंद, चैंबर ने दिया समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कांकेर जिले के आमाबेड़ा में मिशनरियों द्वारा स्थानीय जनजाति समाज पर किए गए हमले और स्थानीय प्रशासन के भेदभावपूर्ण रवैये के विरोध में सर्व समाज छत्तीसगढ़ ने 24 दिसंबर को प्रदेश बंद की घोषणा की है। इस घोषणा (बंद) को छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने भी समर्थन दिया है।

प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी की अध्यक्षता में सोमवार को प्रदेश कार्यालय में व्यापारिक संगठनों एवं चैंबर पदाधिकारियों की एक अहम बैठक हुई। इस बैठक में कांकेर जिले के आमाबेड़ा में मिशनरियों द्वारा स्थानीय जनजाति समाज पर किए गए ▶▶|शेष पेज 13 पर

व्यापारी सड़कों पर उतरकर करेंगे विरोध

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि इस घटना के विरोध में सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करेंगे। समाज विरोधी घटनाओं के खिलाफ व्यापारी मुख्य चौराहों पर आकर कड़े शब्दों में अपना आक्रोश व्यक्त करेंगे। भाटागांव व्यापारी संघ के अध्यक्ष ने बंद का पूर्ण समर्थन करते हुए इस विषय पर कलेक्टर को ज्ञापन पत्र सौंपने की घोषणा की है।

प्रदेश में धर्मांतरण एक गंभीर और चिंतनीय मुद्दा बन चुका-थौरानी

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा कि प्रदेश में धर्मांतरण एक गंभीर और चिंतनीय मुद्दा बन चुका है। षड्यंत्रपूर्वक और धोखे से किए जा रहे धर्मांतरण को रोकना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दुखद यह है कि ऐसी घटनाओं में स्थानीय प्रशासन का रवैया पक्षपातपूर्ण रहा है। इस अत्याचार के खिलाफ व्यापारियों को एकजुट होकर सहयोग देना होगा। उनके आह्वान पर बैठक में उपस्थित सभी व्यापारिक प्रमुखों ने हाथ उठाकर बंद को अपना पूर्ण समर्थन दिया।

रेत का अवैध उत्खनन, चेन माउंटेन मशीन, हाईवा सहित मोटर बोट जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के आरंग क्षेत्र अंतर्गत गाम समोदा तथा कागदेही रेत खदान में अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया जा रहा था। यहां रेत माफिया के लोग पनडुब्बी और चेन माउंटेन मशीन लगाकर नदी से रेत बाहर निकाल रहे थे। खनिज विभा की टीम ने चेन माउंटेन मशीन और मोटर बोट को जब्त किया है। इसी प्रकार रेत से भरे दो हाईवा को भी जब्ती बनाया है। खनिज विभाग की टीम ने शनिवार और रविवार को आरंग क्षेत्र की खदानों का औचक

निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम समोदा खदान में मोटर बोट सक्शन मशीन (पनडुब्बी) लगी ▶▶|शेष पेज 13 पर

हरदीडीह में रेत से भरे दो हाईवा जब्त

टीम ने औचक निरीक्षण के दौरान हरदीडीह क्षेत्र में रेत से भरे दो हाईवा को पकड़ा। पूछताछ पर उनके पास रायल्टी पर्ची नहीं मिली। दोनों हाईवा को जब्ती बनाते हुए उनके मालिकों पर जुर्माना लगाया है।

संचालक सहित अन्य के खिलाफ नोटिस जारी

कागदेही खदान को विभाग की ओर से उत्खनन के लिए स्वीकृति मिली हुई है। सहायक खनिज अधिकारी उमेश भार्गव ने बताया कि इस खदान का संचालन विनोद अग्रवाल द्वारा किया जा रहा है। अपने लोगों के माध्यम से खदान की वैध सीमा क्षेत्र से बाहर में रेत का उत्खनन कराया जा रहा था। विभाग ने इस प्रकरण में विनोद अग्रवाल तथा इस अवैध खनन में संलिप्त लोगों को नोटिस भी जारी किया है।

हिमाचल में बनी नकली दवा रायपुर भेजने वाले की तलाश होगी इंदौर में, भेजी जाएगी जांच टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

हिमाचल और चेन्नई में बनी एंटीबायोटिक टेबलेट रायपुर भेजने वाले की तलाश अब इंदौर में की जाएगी। इसके लिए जांच टीम रवाना होगी। अफसर भी यह मान रहे हैं कि नकली दवा के कारोबार का नेटवर्क काफी बड़ा है। सारंगढ़ के दवा कारोबारी से पूछताछ के साथ भाटापारा के एजेंसी संचालक के ठिकाने से लिए गए दवा के सैंपलों की जांच का ▶▶|शेष पेज 13 पर

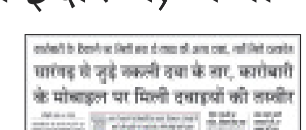

सारंगढ़ से जुड़े नकली दवा के तार, कारोबारी के मोबाइल पर मिली दवाइयों की तस्वीर

जिलों में किया गया है अलर्ट

एंटीबायोटिक की नकली दवा पकड़ाने के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक अग्रवाल द्वारा सभी जिलों को इस बारे में अलर्ट जारी किया गया है। इस बात की आशंका बनी हुई है कि इस एंटीबायोटिक के साथ अन्य तरह की अमानक दवाओं की सप्लाई पहले भी हुई है। बरामद की गई इस दवा महंगी है जिसका सीधा लाभ इस कारोबार से जुड़े लोगों को होता है।

पूरा नहीं हो सका पाठ्यक्रम अब शीतकालीन अवकाश में स्कूल खोलने निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के कुछ जिलों में इस बार शीतकालीन अवकाश में भी कक्षाओं का संचालन होगा। इसके लिए बकायदा आदेश भी जारी कर दिए हैं। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा जिले के सभी शासकीय हाईस्कूल और हायरसेकंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों को इस संदर्भ में खत प्रेषित किया गया है। इसके मुताबिक शीतकालीन अवकाश के दौरान पाठ्यक्रम पूर्ण करने के लिए अनिवार्य रूप से कक्षाएं संचालित की जाएंगी। आदेश में कहा गया है कि जिन हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 10वीं एवं 12वीं का पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हुआ है, उन्हें शीतकालीन अवकाश में विशेष कक्षाएं संचालित करते हुए पाठ्यक्रम पूर्ण करने निर्देशित किया जाता है। स्कूलों से कहा ▶▶|शेष पेज 13 पर

- इस बार फरवरी माह से ही प्रारंभ हो जाएंगी 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाएं

इस वर्ष परीक्षाएं जल्द

गौरतलब है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा वर्ष में दो बार परीक्षाएं आयोजित कराया जा रहा है। यह नियम बीते सत्र से लागू हो चुका है। मार्च-अप्रैल में आयोजित मुख्य परीक्षा में असफल होने वाले विद्यार्थियों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित कर जुलाई-अगस्त में एक और मौका दिया गया था। द्वितीय मुख्य परीक्षा समय पर आयोजित हो सके और इसमें उत्तीर्ण छात्रों को अगली कक्षा में प्रवेश के लिए पर्याप्त वक्त मिल सके, इसलिए माशिम इस बार परीक्षाएं जल्द आयोजित करा रहा है। मार्च में प्रारंभ होने वाली बोर्ड परीक्षाएं इस बार फरवरी से ही प्रारंभ हो जाएंगी। प्रायोगिक परीक्षाएं भी 10 जनवरी के स्थान पर एक जनवरी से ही शुरू हो रही है। यही कारण है कि जिलों में पाठ्यक्रम पूर्ण करने कवायद शुरू कर दी गई है।

धान उठाने में मिलर नहीं दिखा रहे रुचि, समितियों में बफर स्टॉक के कारण खरीदी प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

धान खरीदी को लेकर तेजी आ गई है। कई समितियों में बंपर धान की आवक हो रही है। धान की आवक के साथ परिवहन की व्यवस्था नहीं होने के कारण समितियों में धान का स्टैक लगातार बढ़ता जा रहा है। समय पर उठाव नहीं होने के कारण समितियों में बफर स्टॉक की स्थिति बन गई है।

मिलर भी धान का उठाव नहीं कर रहे हैं। प्रदेश के अधिकतर मिलरों के पास पिछले साल के धान का उठाव करने के बाद चावल जमा नहीं करने पर उनकी उठाव की लिमिट खत्म होना भी एक कारण बताया जा रहा है। बताया गया है कि मार्कफेड में परिवहन के लिए अनुबंध करने के बजाय जैम पोर्टल के माध्यम से प्रस्ताव मंगाए गए थे। जैम पोर्टल से मिले प्रस्ताव के आधार पर कई जिलों में अनुबंध हो चुका है, लेकिन डीओ नहीं कटने के कारण धान का उठाव शुरू नहीं हो पाया है। मार्कफेड के अधिकारियों ने बताया कि सभी जिलों में परिवहन के लिए अनुबंध जिला स्तर पर किया जा रहा है। डीएमओ द्वारा समितियों में धान की स्थिति के आधार पर डीओ जारी किया जा रहा है। कुछ जिलों में धान का उठाव किया जा रहा है, लेकिन राज्य के आधे से अधिक जिलों के खरीदी केंद्रों में बफर स्टॉक के हालात बने हुए हैं।

कई मिलरों के पास पिछले साल के धान का स्टॉक, लिमिट खत्म होने से उठाव नहीं

एक दर्जन जिलों में नहीं कटा डीओ

15 नवंबर से शुरू हुई धान खरीदी के बाद लगातार किसानों को टोकन जारी किए जा रहे हैं। किसान अपना धान लेकर खरीदी केंद्रों में पहुंच रहे हैं। अब प्रतिदिन दो से तीन लाख टन धान की आवक हो रही है। आवक के आधार पर समितियों द्वारा खरीदी की जा रही है। समितियों में धान जमा होने के साथ डीएमओ को उपार्जन केंद्रों में जमा धान की रिपोर्ट दे रहे हैं।

केंद्रीय पूल में पिछले साल का 27 लाख टन चावल जमा करना शेष

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में केन्द्रीय पूल में कुल 78 लाख मेट्रिक टन चावल लक्ष्य निर्धारित किया गया था। चावल जमा किये जाने की समय सीमा 30 अप्रैल 2026 निर्धारित है। अब तक की स्थिति में 51.86 लाख मेट्रिक टन चावल केन्द्रीय पूल में जमा किया जा चुका है। शेष चावल जमा करने का लेकर मिलरों के द्वारा मिलिंग की जा रही है। बताया गया है कि एफसीआई के रैक न मिलने के कारण चावल जमा करने में कठिनाई आ रही है। अधिकांश मिलरों के पास पिछले साल का धान पड़ा हुआ है। धान खरीदी शुरू होने के बाद जिलों में मिलरों के स्टॉक का भौतिक सत्यापन भी किया जा रहा है। स्टॉक कम पाए जाने पर कार्रवाई भी किया जा रहा है।

जिलों में जांच में मिली कई गड़बड़ी, कार्रवाई भी

राजनांदगांव जिले के राजा राईस मिल में पिछले साल का लगभग 16 हजार क्विंटल धान कम पाया गया है। प्रशासनिक जांच के मुताबिक मिलर ने उक्त धान का गबन कर लिया है। जिसके बाद उसके खिलाफ संबंधित अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर के निर्देश पर धान के अवैध तस्करी के खिलाफ जारी अभियान के तहत एक टीम को राजा राईस मिल भेजा गया था। टीम ने यह पाया कि राईस मिल में कितना धान का स्टॉक है और कितना चावल रखा हुआ है। उसका मिलान पिछले साल के रिकार्ड से किया गया। राजा राईस मिल द्वारा पिछले साल 65 हजार क्विंटल धान का उठाव किया गया था। जिसके बदले उसने अब तक 22,583 क्विंटल चावल जमा करा दिया है। वहीं 21,377 क्विंटल चावल जमा करना शेष है। जिसके लिए मिल में 31,905 क्विंटल धान होना चाहिए था, परन्तु मिल में 10,880 क्विंटल धान ही स्टॉक था। ऐसे में शेष 16070 क्विंटल धान का गबन किया जाना पाया गया है।

खबर संक्षेप

नड्डा का सीएम साय सहित भाजपाइयों ने किया स्वागत

रायपुर। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का रायपुर विमानतल पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, डॉ नवीन मार्कंडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन जैन, प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव सहित भाजपा पदाधिकारियों ने स्वागत किया। श्री नड्डा जांजगीर में सभा के बाद शाम को रायपुर लौटे तो उनको विमानतल पर भाजपा नेताओं ने विदाई भी दी। श्री नड्डा रायपुर से विशेष विमान द्वारा मप्र गए।

सहकारी बैंक के नए अध्यक्ष उपाध्यक्ष ने संभाला कार्यभार

रायपुर। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष निरंजन सिन्हा और उपाध्यक्ष अभिनेष कश्यप ने सोमवार को कार्यभार विधिवत ग्रहण किया। इसी दौरान श्री सिन्हा ने किसानों के हित में कार्य करने, किसानों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने तथा बैंक के उत्तरोत्तर विकास के लिए कार्य करने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। पद ग्रहण से पहले नवनियुक्त दोनों पदाधिकारियों ने बैंक प्रांगण स्थित बैंक के संस्थापक पं. वामन बलीराम लाखे की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद बैंक के सभागार में आयोजित समारोह कार्यक्रम की शुरुआत की गई। बैंक की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अपेक्षा व्यास एवं अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष का पुष्पहार एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इसी दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष से विधायक मोतीलाल साहू और पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने भी बैंक में भेट देकर शुभकानाएं दीं। अंत में बैंक के वर्ग-1 अधिकारी एसपी चंद्राकर द्वारा उपस्थित सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया।

महाराजबंध तालाब की सफाई में निकल रहीं मरी हुई मछलियां

रायपुर। उपेक्षा और गंदगी से जूझ रहे ऐतिहासिक महाराजबंध तालाब में गंदगी का ऐसा आलम है कि यहां के पानी में मछलियां भी जीवित नहीं रह पा रही हैं। विगत 10-12 दिनों से संस्था ग्रीन आर्मी के सदस्यों द्वारा श्रमदान कर तालाब की सफाई की जा रही है, जिसमें रोजाना डेढ़-दो ट्रक कचरा बाहर निकाला जा रहा है। संस्था के प्रदेश अध्यक्ष एवं संस्थापक अमिताभ दुबे का कहना है कि यह सिर्फ सफाई अभियान नहीं, बल्कि शहर की जलधरोहर को बचाने का एक सशक्त जनआंदोलन बन चुका है। इस अभियान में दुर्गा महाविद्यालय एवं गुरुकुल महिला महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं ग्रीन आर्मी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर श्रमदान कर रहे हैं। छात्रों द्वारा किए जा रहे श्रमदान और सक्रिय सहभागिता यह स्पष्ट संदेश देती है कि रायपुर का युवा वर्ग पर्यावरण संरक्षण को लेकर पूरी तरह जागरूक और प्रतिबद्ध है।

जिला पंचायत की सामान्य सभा में जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्य, बोरवेल तथा वाटर हार्वेस्टिंग का मामला जोर-शोर से उठा

तीन माह बाद रिपोर्ट पेश, वह भी गलत, भड़के सदस्य, अध्यक्ष ने जांच कर दोषी अफसरों पर कार्रवाई करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिला पंचायत की सामान्य सभा में सत्ता पक्ष के सदस्यों ने जल जीवन मिशन अंतर्गत किए गए कार्यों की स्थिति, वारटर हार्वेस्टिंग तथा बोरवेल का मुद्दा जोरशोर से उठाया। सदस्यों ने तीन माह पूर्व इस मामले को बैठक में उठाते हुए विभागीय अफसर से संबंधित योजना के तहत किए गए कार्यों की स्थिति, लापरवाही बरतने और अधूरा काम छोड़कर भाग चुके सहित अपूर्ण कार्य करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ की गई कार्रवाई तथा भुगतान से संबंधित तमाम जानकारी की रिपोर्ट मांगी थी।

तीन माह के बाद विभाग की ओर से एक अधूरी रिपोर्ट बैठक में पेश की गई। इस रिपोर्ट में गलत जानकारी दी गई थी, जिसे सदस्यों द्वारा उजागर करने पर अफसर ने स्वीकार भी किया। सदस्यों ने इस पर गलत रिपोर्ट बनाने वाले अफसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। समिति के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल ने भी गलत रिपोर्ट पेश करने पर गहरी नाराजगी जताते हुए अफसर को फटकार लगाई और जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि जिन अफसरों ने गलत रिपोर्ट बनाई है, उन मामलों की तत्काल जांच कराकर दोषी अफसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

पीएचई अफसर घिरे फटकार भी लगी

बैठक में तीन माह बाद पीएचई अफसर अनिल बच्चन ने जो रिपोर्ट पेश की है। उस रिपोर्ट में गलत जानकारी दी गई थी, जिसकी पोल उपाध्यक्ष संदीप यदु, स्वाति वर्मा सहित अन्य सदस्यों ने बैठक में खोली। रिपोर्ट की पोल खुलने पर अफसर ने कहा कि इंजीनियरों से रिपोर्ट तैयार करने में गलती हुई है। सदस्यों ने इसे लेकर अफसर को घेरते हुए कहा कि उनका विभाग में कोई नियंत्रण नहीं है। अगर इंजीनियर गलत रिपोर्ट बनाई है, तो उन्होंने इसे जांच-परखा तो होगा, इसलिए जितनी गलती इंजीनियरों की है, उतनी गलती अफसर की भी है, जिनके द्वारा गलत रिपोर्ट पेश की गई है। सदस्यों ने इस मामले में इंजीनियरों के साथ अफसर को भी नोटिस जारी किए जाने की मांग की। अध्यक्ष ने सदस्यों की नाराजगी को देखते हुए इस मामले में जांच कर दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कांग्रेस सदस्यों ने किया वॉकआउट

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक की शुरुआत में ही विपक्षी दल के कांग्रेस सदस्यों ने सरपंचों को 15वें वित्त आयोग की राशि पिछले 10 माह से जारी नहीं होने से पंचायतों के विकास कार्य ठप पड़ने, स्कूलों में सायकल वितरण न होने, हॉस्पिटलों में आयुष्मान कार्ड योजना अंतर्गत बीमारियों के इलाज संबंधी रेट लिस्ट का डिस्प्ले नहीं होने, आवास के हितग्राहियों का किस्त जारी नहीं होने सहित कई अन्य मुद्दों को गिनाते हुए आरोप लगाया कि सामान्य सभा की पूर्व में हुई बैठकों में इन मुद्दों पर चर्चा हो चुकी है, लेकिन इसे लेकर न ही प्रशासन गंभीर है और न ही संबंधित विभाग। सदस्यों ने 15वें वित्त की बकाया राशि तत्काल जारी करने तथा जिला स्तर पर लंबित समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करने की मांग की है। इन मांगों को रखने के बाद वतन चन्द्राकर, यशवंत साहू, हरिशंकर निषाद, कविता हेमंत कश्यप, भीनू सुजीत घिघौड़े, पूजा लोकमणि कोसले ने कार्यवाही का बहिष्कार करते हुए बैठक से बाहर निकल गए।

अध्यक्ष की समझाइश पर भी नहीं लौटे कांग्रेसी सदस्य

कांग्रेसी सदस्यों के बैठक का बहिष्कार कर बाहर निकलने के बाद अध्यक्ष नवीन अग्रवाल ने 10 मिनट के लिए कार्यवाही स्थगित करते हुए उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन सदस्य नहीं माने। सदस्यों ने कहा कि मांग पूरी होने के बाद ही बैठक में शामिल होंगे। इस तरह बैठक में सभी एजेंडों पर चर्चा विपक्षी सदस्यों के बगैर चली।

टिकट की कालाबाजारी रोकने मुद्दे पर हुई चर्चा

इस बैठक में उपाध्यक्ष ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में हाल ही में हुए भारत-साउथ अफ्रीका के बीच वनडे मैच के दौरान टिकटों की हुई कालाबाजारी का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि टिकिटों की कालाबाजारी के कारण आम लोगों को टिकिट तक मिल नहीं पाई है। इस पर रोक लगाने के लिए भविष्य में जिले के चुनिंदा शासकीय कार्यालयों में भी टिकट बिक्री का काउंटर खुलवाना चाहिए, ताकि लोगों को उचित दाम पर टिकट आसानी से मिल सके। अध्यक्ष ने भी उपाध्यक्ष के इस बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रस्ताव बनाकर प्रशासन, शासन को भेजा जाएगा।

अभनपुर-तिल्दा में बीज घोटाला का मामला फिर उठा, एफआईआर की मांग

अभनपुर और तिल्दा क्षेत्र में बीज घोटाला का मामला बैठक में एक बार फिर उठा। उपाध्यक्ष संदीप यदु ने अभनपुर क्षेत्र के ग्राम तोरला, चंपारण सहित अन्य गांवों में चना बीज वितरण दो दोषी कृषि विस्तार अधिकारियों के खिलाफ विभाग द्वारा की गई कार्रवाई को खानापूर्ति बताया। उन्होंने कहा कि अफसरों के खिलाफ जब घोटाला के पर्याप्त सबूत मिले हैं, तो मामले में वेतन कटौती एवं घोटाला की बहुत कम रकम की वसूली जैसी कार्रवाई करना समझ से परे है। इसी प्रकार तिल्दा ब्लॉक क्षेत्र में किसानों को गेंहू एवं चना वितरण में अधिक मूल्य पर बिक्री करना पाया गया है, लेकिन कार्रवाई किसी के खिलाफ नहीं की गई है। उपाध्यक्ष ने इन दोनों मामलों में दोषी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। अध्यक्ष ने भी किसानों से जुड़ा मामले की गंभीरता को देखते हुए दोषियों पर एफआईआर कराने के लिए कहा है।

केदार बोले- भूपेश पहले इतिहास को अच्छी तरह पढ़ें, फिर अपनी राय दें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ अपेक्स बैंक अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता केदारनाथ गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के वक्तव्य पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, पता नहीं कांग्रेस पार्टी कौन-सा इतिहास पढ़कर अपने नेताओं को राजनीति में लाती है। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल का कहना है कि जब देश में मुगल शासन था तब भी हिंदू खतरे में नहीं थे। बघेल यह बताएं कि सोमनाथ मंदिर को किसने लूटा।

मोहम्मद गौरी मोहम्मद गजनबी कौन था? बाबरी मस्जिद का फैसला अभी सुप्रीम कोर्ट से हमने जीता जिसके नीचे भगवान रामलला का मंदिर था। यह बाबर कौन था? कितनी ही रानी एवं महिलाओं को राजस्थान में जौहर करना पड़ा। तारीख-ई-फीरोजशाही और फतवा ई-जहानदारी में मुस्लिम इतिहासकार बर्नी ने लिखा है- जिन हिंदुओं ने अल्लाह का मजहब इस्लाम स्वीकार नहीं किया, अलाउद्दीन ने उन्हें यातनाएं देकर कत्ल करा दिया और उनके आश्रितों की दशा इतनी हीन, पतित और कष्ट युक्त बना दी थी और उन्हें इतनी दयनीय दशा में पहुंचा दिया था कि उनकी महिलाएं और बच्चे मुसलमानों के घर भीख मांगने के लिए विवश थे। इतिहास में दर्ज है कि एक सुल्तान फिरोज शाह तुगलक ने पवन दिनों पर हिन्दुओं के पवित्र स्नान पर प्रतिबंध लगा दिया था, ऐसी ही एक घटना में पवित्र स्नान कर रहे 20 हजार हिन्दुओं की क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। कांग्रेस को या तो इतिहास का पता नहीं और अभी भी वहीं कर रहे हैं, इतिहास को मरोड़कर बता रहे हैं। मुस्लिम शासकों की क्रूरता पर सैकड़ों पुस्तकें उपलब्ध हैं, अगर भूपेश बघेल चाहें तो उन्हें पढ़ कर अपना ज्ञान ठीक कर लें।

उपमुख्यमंत्री ने माना चौपाटी वैध, विधायक ने बताया अवैध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

साइंस कॉलेज परिसर स्थित चौपाटी की लड़ाई को और क्या-क्या दिन दिखाएंगे भाजपा के मंत्री-1विधायक। एक ओर छत्तीसगढ़ सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव विधानसभा में स्वीकार करते हैं कि स्मार्ट सिटी के तहत बनी चौपाटी वैध है।

इस संबंध में नगर निगम नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा, क्षेत्रीय विधायक राजेश मूणत एवं महापौर का कथन है कि यह चौपाटी अवैध है। इन दोनों की लड़ाई ने जनता के जीवनयापन को ही अवैध बना दिया है। क्या हमें जनता ने इसलिए चुना है कि एक सरकार के मंदिर कहे जाने वाले विधानसभा में प्रश्न उठता है चौपाटी को लेकर कि साइंस कॉलेज परिसर स्थित चौपाटी पूरी तरह से वैध थी कि नहीं तो जवाब सरकार के उपमुख्यमंत्री देते है कि वैध थी। वहीं क्षेत्र विधायक राजेश मूणत और महापौर की नजर में अवैध थी। विधायक की जिद के कारण उक्त चौपाटी को ध्वस्त कर दिया जाता है, महापौर का इस पर कोई जवाब नहीं आता।

इतनी फुर्ती अगर हम स्काई वॉक में दिखाते तो शायद आज रायपुर शहर की सुंदरता अलग से दिखती। 22 नवंबर का वह काला दिन जब उस चौपाटी को वहां से हटाया गया और आज लगभग एक महीना हो गया है। कोई भी वहां की सुध लेने वाला नहीं है, सिर्फ चौपाटी को विस्थापित कर दिया गया है। लगता है विपक्ष की भूमिका खुद विधायक और महापौर निभा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन आज

23 दिसंबर से 22 जनवरी तक दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारत निर्वाचन आयोग मंगलवार को छत्तीसगढ़ की ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित करने जा रहा है। इसके साथ ही 2026 में इन प्रदेश में प्रस्तावित चुनावी प्रक्रिया की तैयारियों में एक और अहम कदम पूरा हो जाएगा। चुनाव आयोग के मुताबिक छत्तीसगढ़ में तैयार किए गए ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल्स को मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) और जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) के माध्यम से सभी मान्यता-प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा किया जाएगा, ताकि वे तय समय में आपत्तियां, सुझाव दर्ज करा सकें। आयोग ने यह निर्देश दिया है कि राजनीतिक दलों को मतदाता सूची की हार्ड कॉपी उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही पारदर्शिता और आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रारूप मतदाता सूची को सीईओ और डीईओ की आधिकारिक वेबसाइटों पर भी अपलोड किया जाएगा। मतदाता सूचियों के साथ-

साथ अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लीकेट मतदाताओं की सूचियां भी संबंधित सीईओ/डीईओ की वेबसाइट पर अपलोड की जाएंगी। ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद निर्धारित समय में दावा-आपत्ति प्रक्रिया चलेगी और फिर अंतिम मतदाता सूची इसके बाद जारी की जाएगी।

नोटिस फेज में दावों और आपत्तियों का होगा निपटारा

ड्राफ्ट वोटर सूची के प्रकाशन होने के बाद नोटिस फेज शुरू हो जाएगा, जिसमें चुनावी पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) की ओर से एक साथ गणना प्रपत्र पर नोटिस जारी करना, सुनवाई, प्रमाणित और फैसला लेना और दावों और आपत्तियों का निपटारा करना शामिल है। मतदाता 23 दिसंबर से 22 जनवरी तक दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग ने किया ये दावा

आयोग ने स्पष्ट किया है कि वास्तविक और योग्य मतदाताओं को दावे-आपत्तियों की अवधि के दौरान जोड़ा जा सकता है, जिन मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज पाए जाएंगे, उनका नाम केवल एक ही स्थान पर रखा जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए, बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने घर-घर जाकर कई बार संपर्क किया। साथ ही ईआरओ ने राजनीतिक दलों के साथ बैठकें कर असंग्रहणीय फॉर्म की अस्थायी सूची साझा की, ताकि बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) फील्ड में सत्यापन कर सकें।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के पदाधिकारी ने दिया समर्थन

मनरेगा से गांधीजी का नाम हटाने के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्र की मोदी सरकार द्वारा मनरेगा जैसी जनहितकारी योजना से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने के विरोध में शहर एवं ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आज जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन आजाद चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास धरना दिया।

धरना स्थल पर कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में महात्मा गांधी का छायाचित्र लेकर बैठे नजर आए तथा रघुपति राघव राजा राम भजन के माध्यम से गांधीजी के विचारों और मूल्यों को याद किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान गांधीजी के सिद्धांतों और

मनरेगा की मूल भावना की रक्षा का संकल्प दोहराया गया। सभा के अंत में कांग्रेस नेताओं ने केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ जमकर भाषण दिया और इस फैसले को गरीब, मजदूर और ग्रामीण भारत के साथ अन्याय बताया। धरना–प्रदर्शन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य भी शामिल हुए, जिन्होंने गांधीजी के नाम हटाए जाने को स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों का अपमान बताया और कांग्रेस के आंदोलन को समर्थन दिया। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार ने अपने इस फैसले को वापस नहीं लिया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ये थे मौजूद

इस दौरान पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, अनीता शर्मा, गिरीश देवांगन, प्रमोद दुबे, उधोराम वर्मा, महेंद्र छाबड़ा, शिव सिंह ठाकुर, कन्हैया अग्रवाल, पंकज शर्मा, सुबोध हरितवाल, सकलेन कामदार, प्रमोद चौबे, आकाश तिवारी, दिनेश ठाकुर, जी श्रीनिवास, बंशी कन्नौजे, अशोक ठाकुर, नवीन चंद्राकार, संजय सोनी, देवकुमार साहू, दीपा बग्गा, संगीता दुबे, सुनीता शर्मा, पद्मा कहार, प्रीति सोनी, कशिश चंद्राकर्र, बबिता नत्थानी, सत्तू सिंह, अमितेश भारद्वाज, सत्यनारायण नायक, जयंत साहू, राकेश धोतरे, प्रकाश जगत, संदीप तिवारी, दिलीप चौहान, राहुल तिवारी, सुनील बजारी, हीरेंद्र देवांगन, कमल धृतलहरे, विनोद ठाकुर, राज देवांगन, मुन्ना मिश्रा, विजय ठाकुर, राजू नायक, ईश्वर चक्रधारी, मोहसिन खान, नवीन केशरवानी, बाबा मसीह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मनरेगा पर बुलडोजर, परिणाम होंगे गंभीर : धनेंद्र

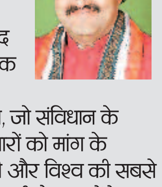

मनरेगा को लेकर केंद्र सरकार के नए कदमों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेंद्र साहू ने कहा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को सुनियोजित तरीके से कमजोर कर दिया गया है। उन्होंने इसे "मनरेगा पर बुलडोजर चलाने" जैसा करार देते हुए चेताया कि इसके परिणाम ग्रामीण भारत के लिए बेहद गंभीर और दूरगामी होंगे। एक बयान में धनेंद्र साहू ने याद दिलाया कि एमजीएनआरईजीए वर्ष 2005 में व्यापक जन-परामर्श और संसद के दोनों सदनों की सर्वसम्मति से पारित एक मांग आधारित कानून था, जो संविधान के अनुच्छेद 41 से प्रेरित था। यह योजना ग्रामीण परिवारों को मांग के आधार पर गारंटीशुदा रोजगार उपलब्ध कराती थी और विश्व की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा पहल के रूप में जानी जाती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के वर्षों में मोदी सरकार ने संसदीय चर्चा, केंद्र–राज्य समन्वय और जन-परामर्श को नजरअंदाज करते हुए मनरेगा को कमजोर करने के प्रयास किए हैं। नए कानून में रोजगार की कानूनी गारंटी समाप्त कर दी गई है और इसे केवल नौकरशाही प्रावधानों तक सीमित कर दिया गया है।

"सफलता का सफरनामा' को पीआरएसआई राष्ट्रीय पुरस्कार

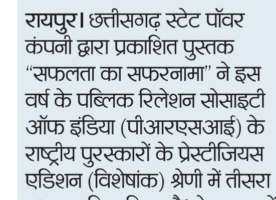

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी द्वारा प्रकाशित पुस्तक "सफलता का सफरनामा" ने इस वर्ष के पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के राष्ट्रीय पुरस्कारों के प्रेस्टीजियस एडिशन (विशेषांक) श्रेणी में तीसरा स्थान हासिल किया है। देहरादून में आयोजित पीआरएसआई की 47वीं राष्ट्रीय कांफ्रेंस में पॉवर कंपनी की ओर से प्रबंधक जनसंपर्क विकास शर्मा ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। पीआरएसआई रायपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. शाहिद अली ने बताया कि सम्मान समारोह में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद नरेश बंसल ने की।

खबर संक्षेप

हिंदू युवक की हत्या के विरोध में शिवसेना ने किया प्रदर्शन

आरंग। दो दिन पहले बांग्लादेश में एक हिंदू युवक दीपू दास की बांग्लादेश के मुसलमानों की भीड़ द्वारा बेरहमी से हत्या कर दी गई। युवक को पेड़ में लटकाकर निर्वस्त्र कर जला दिया गया। इस जघन्य हत्या के विरोध में शिवसेना आरंग के शिवसैनिकों ने रायपुर जिला ग्रामीण अध्यक्ष राकेश शर्मा एवं जिला उपाध्यक्ष केशव वैष्णव के नेतृत्व में उग्र प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान शिवसैनिकों ने नारे लगाते हुए कथित बांग्लादेशी हत्यारों का पुतला दहन किया तथा अपना आक्रोश व्यक्त किया। इस अवसर पर शिवसेना आरंग नगर अध्यक्ष राज दुबे, वार्ड क्रमांक 02 से शिवसेना पार्षद उमाकांत यादव, व्यास सोनकर, शत्रुघन सोनकर, रेखराज अग्रवाल, जितेंद्र निषाद, सागर पटेल, विराज लोधी, कोमल यादव, मानस लोधी, बादल निषाद सहित अन्य शिवसैनिक एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

मदर्स प्राइड के आनंद मेले व्यंजनों की खुशबू बिखरी

आरंग। मदर्स प्राइड हाई स्कूल आरंग में बड़े धूमधाम से आनंद मेला मनाया गया। जिसमें बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के होममेड व्यंजन जैसे इडली, डोसा, सांभर, गुपचुप, भेल, मंचूरियन, दाबेली, मोमोज, पकौड़े, समोसे, फल, स्वीट्स आदि के स्टॉल लगाए गए। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के गेम, मिकी माउस एवं जंपिंग झूले भी आकर्षण का केंद्र रहे। आनंद मेले में सभी पालकों सहित बच्चे भी उपस्थित रहे और मेले का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की संस्था प्रमुख जगदम्बा देवी एवं ध्रुव कुमार शुक्ला द्वारा रिबन काटकर तथा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। संस्था के संस्थापक ध्रुव कुमार शुक्ला द्वारा इस प्रकार के आयोजन के सफल संचालन के लिए सभी विद्यार्थियों, पालकों एवं समस्त स्टाफ को बधाई दी गई।

शिक्षादान केंद्र में बच्चों को निशुल्क कोचिंग

आरंग। रविवार को सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन ने ग्राम रीवा में शिक्षादान केंद्र का शुभारंभ किया। जिसमें कक्षा दसवीं के छात्र छात्राओं को निःशुल्क कोचिंग मिलेगा। शिक्षादान केंद्र का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा आराधना से हुई। प्रथम दिवस बच्चों को लेखन शैली, परीक्षा में समय प्रबंधन, परीक्षा की तैयारी सहित गणित के महत्वपूर्ण बिंदुओं व कठिनाईयों पर चर्चा की गई।वहीं ग्राम के सरपंच घसियाराम साहू, संस्था के प्राचार्य आर पी चंद्राकर, एसएमडीसी अध्यक्ष नंद साहू व पालकों ने ग्राम में फाऊंडेशन द्वारा शिक्षादान केंद्र संचालन की पहल का स्वागत करते हुए आभार जताया है। यहां के शिक्षादान केन्द्र के संचालन में विशेष सहयोग नयारायपुर निवासी सेवानिवृत्त इंजीनियर राजकुमार सोनी, फाउंडेशन के संयोजक महेन्द्र पटेल का है।

मनखे-मनखे एक समान का संदेश ही मानवता का असली मार्ग : अग्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶। धरसींवा/कूंरा

परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती के पावन अवसर पर धरसींवा विधानसभा के विभिन्न ग्रामों में श्रद्धा और उत्साह का सैलाब उमड़ पड़ा। ग्राम तेंदुआ में आयोजित भव्य मंडाई मेले सहित नेऊरडीह (मांढर), छपोरा और मूंघाडीह (सिलतरा) में आयोजित शोभायात्रा व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल और क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा मुख्य रूप से सम्मिलित हुए।

■ पंथी नृत्य केवल कला नहीं, बल्कि बाबा के संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम

घासी दास जयंती में शामिल हुए सांसद बृजमोहन व विधायक अनुज

कलाकारों का सम्मान और उत्साहवर्धन

जयंती उत्सव के दौरान विभिन्न स्थानों पर पारंपरिक पंथी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। विधायक अनुज शर्मा ने कलाकारों के कौशल की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पंथी नृत्य केवल कला नहीं, बल्कि बाबा के संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरे उत्साह के साथ बाबा का जन्मोत्सव मनाया।

शांति और समानता को घर-घर पहुँचाना हमारा लक्ष्य: अनुज शर्मा

विधायक अनुज शर्मा ने अपने संबोधन में बाबा के 'मनखे-मनखे एक समान' के सिद्धांत पर जोर देते हुए कहा: बाबा गुरु घासीदास जी के विचार पूरी मानवता के लिए प्रेरणा पुंज हैं। उन्होंने सदियों पहले ऊंच-नीच और छुआछूत के विरुद्ध जो अलख जगाई थी, वह आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के माध्यम से बाबा के समानता के संदेश को ही आगे बढ़ा रही है। उन्होंने आगे कहा कि गिरौदपुरी धाम केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि बाबा के विचारों की जीवंत पाठशाला है। विधायक ने युवाओं से आह्वान किया कि वे बाबा के दिखाए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर समाज सेवा का संकल्प लें।

दोनों नेताओं ने गुरु गद्दी की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद मांगा। इस दौरान पंथी नृत्य की धुनों पर पूरा क्षेत्र 'सतनाम' के जयकारों से गुंजायमान रहा।

बाबा के विचार समाज के लिए प्रकाश पुंज: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी ने समाज को तब दिशा दिखाई जब वह कुरीतियों और भेदभाव के अंधकार में फंसा था। उन्होंने कहा, /"बाबा का जीवन सत्य और अहिंसा का जीवंत उदाहरण है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है।

अधिवेशन : तिल्दा-नेवरा में मनवा कुर्मी समाज का 80वां अधिवेशन में पूर्व सीएम भूपेश हुए शामिल

कुर्मी समाज के महापुरुषों ने राज्य का गौरव बढ़ाया, कुरीतियों पर अंकुश लगाई : बघेल

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶। तिल्दा नेवरा

मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज का 80 वां अधिवेशन तिल्दा नेवरा के बद्रीनारायण बगड़िया स्कूल मैदान में रविवार को सपन्न हुआ। जहाँ समाज के विकास और एकजुटता पर चर्चा हुई,साथ हि पढ़ाई के साथ बच्चो के चरित्र निर्माण पर विशेष जोर दिया गया। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल. छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज के केंद्रीय अध्यक्ष खोडसराम कश्यप .मंत्री टंकराम. 10 राज प्रधान और कई स्थानीय नेता शामिल हुए। इस बड़े कार्यक्रम के लिए व्यापक तैयारियां की गई थीं। इस मौके पर समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओ और समज में उत्क्रष्ट कार्य करने वालो का सम्मान किया गया।

■ समाज के विकास और एकता पर हुई चर्चा, बच्चों के चरित्र निर्माण पर दिया गया जोर

पूर्व सीएम भूपेश ने अपने संबोधन में कहा कुर्मी समाज ने कई ऐसे योद्धा और महापुरुष पैदा किए है .मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज का आज 80 वां अधिवेशन है ,समाज का पहला अधिवेशन 1905 में हुआ था। उन्होंने केंद्रीय अध्यक्ष खोडस राम कश्यप के कार्यों की तारीफ की। पूर्व सीएम ने कहा कि आजकल सुखा नशा बहुत ज्यादा बढ़ गया है जिस पर अंकुश लगाना जरूरी है .उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में डबल डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद प्रदेश का किसान भाई परेशान है.उन्होंने कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री था मैंने कई योजनाएं बनाई, धान का सरकारी मूल्य बढवाया .गोबर तक मेरी सरकार ने खरीदा. किसानों को धान खरीदी में कभी भी तकलीफ नहीं आने दी।

मैंने जितनी योजनाए हबनवाई आज उन सभी योजनाओं की स्थिति खराब है. धान खरीदी तो सरकार कर ही नहीं पा रही है .मात्र 40 दिन बचा है, लेकिन अभी तक आधा धान भी खरीदा नहीं जा सका है.. उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में डबल इंजन की सरकार हैबावजूद डीएपी किसानों को नहीं मिल रहा है .जबकि हमारी सिंगल सरकार थी बावजूद किसानों को कभी खाद के लिए भटकना नहीं पड़ा. लगता है इस सरकार को किसानों को तकलीफ देने में मजा आ रहा है.

कुर्मी समाज का समाज की तरक्की में बड़ा योगदान : टंकराम

प्रथम सत्र में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री टंकराम शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के 80 अधिवेशन के सफल आयोजन के लिए आयोजको को बधाई देते हुए कहा कि कुर्मी समाज एक विशाल और प्राचीन संगठित समाज है। आजादी के आंदोलन में समाज का विशेष योगदान रहा है। शिक्षा, जनसेवा, समाज कल्याण सहित अन्य क्षेत्रों में समाज की भूमिका प्रशंसनीय है। केंद्रीय अध्यक्ष खोड़स राम कश्यप ने कहा कि कुर्मी समाज ने अनेक कुरीतियों पर प्रतिबंध लगाकर विकसित समाज के लिए मिसाल प्रस्तुत किया है। समाज मे व्याप्त ऐसे विचार और परम्परा जो समाज की प्रगति में बाधा बनेंगे, उस पर सर्वसम्मति से प्रतिबंध लगाया जाएगा।उन्होंने कहा की समय के परिवर्तन के साथ यह आवश्यक हो गया है कि बच्चों को बाल्यकाल से ही चरित्र निर्माण की शिक्षा भी दी जाए।

समारोह में तिल्दा राज प्रधान ठाकुर राम वर्मा. पूर्व विधायक जनक राम वर्मा .पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा. भाजपा नेत्री लक्ष्मी वर्मा. मोतीलाल वर्मा. खेमनाथ वर्मा. उमाकांत वर्मा. के साथ सभी 10 राज के राज प्रधान सहित समाज के अन्य नेता मंच पर विराजमान थे .इसके पहले भूपेश बघेल के पहुंचने पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया मंच का संचालन दौलत राम धुरंधर ने किया कार्यक्रम का समापन ठाकुर राम वर्मा ने आभार व्यक्त कर किया।

कूंरा साहू समाज के पदाधिकारियों ने शपथ ली, करेंगे शौक्षणिक व सांस्कृतिक विकास

कूंरा। साहू समाज कुंरा परिक्षेत्र पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न ग्राम मनोहरा में साहू समाज कुंरा परिक्षेत्र नवनिर्वाचित पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ । इस अवसर पर समाज की वरिष्ठ पदाधिकारी जनप्रतिनिधि महिला एवं युवा मोर्चा पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित रहे । कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को संगठित कर सामाजिक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास को नई दिशा देना रहा । उक्त अवसर पर मुख्य रूप से तहसील साहू संघ अध्यक्ष लेख राम साहू , उपाध्यक्ष फूलचंद साहू , पूर्व जिला अध्यक्ष के आर साहू , परिक्षेत्र अध्यक्ष रामकुमार साहू , संरक्षक बलदाऊ प्रसाद साहू , परिक्षेत्र अध्यक्ष होरीलाल साहू , उपाध्यक्ष योगेश साहू , महिला उपाध्यक्ष सरस्वती साहू , संगठन सचिव राम कुमार साहू , सह संगठन सचिव किरण साहू , युवा मोर्चा अध्यक्ष राजीव लोचन साहू , महिला अध्यक्ष लक्ष्मी साहू , कुरूद सरपंच रुक्मणी साहू , मनोहरा सरपंच पूर्णिमा गोविंद साहू , नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद साहू , कौशल साहू , त्रिलोक साहू , नारद साहू , अनूप साहू , कमलेश साहू , देवानंद साहू , सुरेश साहू , छेदीलाल साहू , भूपेंद्र साहू , घनश्याम साहू , रेवाराम साहू , हृदय राम साहू , संतोष साहू , रामेश्वरी साहू , रेखा साहू , सभी ग्राम इकाई अध्यक्षो की गरिमामई उपस्थिति में बड़ी संख्या में महिला युवा एवं बुजुर्गों उपस्थिति रही सभी अतिथियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारी को शपथ दिलाते हुए समझित में निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने का आह्वान किया अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि साहू समाज को शिक्षा रोजगार और सामाजिक एकता के क्षेत्र में और मजबूत करने की आवश्यकता है युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से समाज निरंतर प्रगति की ओर बढ़ेगा । कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समापन समाज के वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन में सहार्दपूर्ण वातावरण में किया गया।

तीन दिवसीय गुरू दर्शन मेले में मुख्यमंत्री होंगे सम्मलित

हरिभूमि न्यूज ▶▶। मंदिर हसौद

राजधानी रायपुर के पास स्थित बारा डेरा तुलसी में गुरु अमर दास दर्शन मेला को लेकर छेरछेरा पुन्नी में 3 दिवसीय लगने वाले गुरू दर्शन मेला को लेकर 21 दिसंबर को गुरुद्वारा परिसर में गुरु अमर दास संत संघ समिति द्वारा बैठक आयोजित किया । जिसमें मेला में मुख्य अतिथि विष्णु देव साय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन सानिध्य एवं मार्गदर्शन गुरु खुशवंत साहेब कैबिनेट मंत्री अध्यक्षता नारायण प्रसाद कुर्रे मेला समिति अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि अनुज शर्मा धरसींवां विधायक सम्मिलित होंगे। वही बैठक के दौरान पंथी मंगल भजन साथ ही अमित कोसले शिवा जागड़े द्वारा सांस्कृतिक लोक कला मंच की प्रस्तुति देंगे। जहां बैठक में नारायण प्रसाद कुर्रे सुंदर लहरे सावल दास डहरिया राजमहंत ,विजय डहरिया राजमहंत बिरेंद्र कोसले महासचिव, जनक लाल खेलवार सर्वाकार लक्ष्मण घृतलहरे ,टामेश बघेल, , नरेंद्र कुर्रे जनपद प्रतिनिधि आरंग, घससु घृतलहरे , बिसत घृतलहरे, , पुरुषोत्तम कुर्रे जगत खंडेलवाल लोकेश खेलवार लला घृतलहरे विनेश बांधे पारस कोसले हिमांशु खेलवार सत्यप्रकाश बांधे और अन्य समाज के लोग उपस्थित हुए।

मीसाबंदी शत्रुघन वर्मा का राजकीय सम्मान से किया अंतिम संस्कार

तिल्दा नेवरा। तिल्दा नेवरा विकासखंड के ग्राम मोह्गाव निवासी मीसाबंदी शत्रुघन वर्मा 73 का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ उनके गाव मोहगांव के मुक्तिधाम में किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और परिजनों को सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज सौंपा गया। शनिवार को माईनर अटेक आने से उनका निधन हो गया था।

■ गॉर्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया

स्वर्गीय शत्रुघ्न लाल वर्मा 1975 में इमरजेंसी के दौरान 19 महीने तक जेल में रहे, 1977 में जनता पार्टी सरकार बनने के बाद उनककी रिहाई हुई .सीधे सरल स्वभाव के धनी समाज सेवा से जुड़े शत्रुघ्न लाल वर्मा नेवरा ज्ञान गंगा स्कूल का संचालन करते थे ..उनके निधन की खबर मिलने के बाद उनके गांव में लोग बड़ी संख्या में पहुंचे और स्वर्गीय शत्रुघ्न लाल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री वर्मा के पुत्र मोहित वर्मा ने बताया कि कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब थी उसके बाद सब कुछ ठीक चल रहा था शनिवार को अचानक उसे अटैक आया जिसे वे सहन नहीं कर पाए। उनका अंतिम संस्कार रविवार को सम्मान के साथ उनके गृह ग्राम मोहगांव में किया गया। अंतिम संस्कार केपहले राष्ट्रीय ध्वज ओढ़ाकर उन्हें गॉड ऑफ ऑनर दिया गया .और सम्मान पूर्वक राष्ट्रीय ध्वज को परिजनों को सोपा गया। इस दौरान जिला प्रशासन के नियमानुसार परिजनों को अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई इस मौके पर पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी और गांड मारने नागरिक उपस्थित रहे।

हॉस्पिटलों में रेट लिस्ट डिस्प्ले करने, ज़मीन की गाइड लाइन बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर विपक्ष ने घेरा

15वें वित्त आयोग की राशि रोकने पर जिपं सभा में हंगामा, किया बहिष्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶। आरंग

जिला पंचायत में आयोजित सामान्य सभा की बैठक उस समय हंगामेदार हो गई, जब 7 जिला पंचायत सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। सदस्यों ने सरपंचों को 15वें वित्त आयोग की राशि पिछले 10 माह से जारी नहीं होने, पंचायतों के विकास कार्य ठप पड़ने,धान का रकबा संशोधन न होने,एग्री टेक पोर्टल में किसानो का फौत हो जाने के आवेदनों का कैरी फॉरवर्ड ना होने, मनरेगा में मानव दिवस कम करने, विभिन्न स्कूलों में सायकल वितरण न होने, हॉस्पिटलों में रेट लिस्ट का डिस्प्ले नहीं होने, ज़मीन गाइड लाइन बड़ाने, आवास के हितग्राहियों का किस्त जारी नहीं होने सहित अन्य गंभीर जनहित के मुद्दों को लेकर शासन-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। बैठक से बाहर निकलते हुए जिला पंचायत सदस्य वतन चन्द्राकर ने सरकार के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की और कहा कि गांवों के विकास से जुड़ी पंचायतें आर्थिक संकट से जूझ रही हैं, लेकिन शासन को इसकी कोई चिंता नहीं है।

10 माह से राशि रोके जाने से पंचायतें पंगु : वतन चन्द्राकर ने कहा कि 15वें वित्त की राशि पंचायतों की जीवनरेखा है। इसी राशि से नाली, सड़क, पेयजल, स्वच्छता, बिजली, सामुदायिक भवन, मरम्मत व अन्य मूलभूत कार्य कराए जाते हैं। 10 महीने से राशि रोके जाने से पंचायतें पंगु हो गई हैं, सरपंचों की छवि जनता के बीच खराब हो रही है और गांवों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। यशवंत साहू ने आरोप लगाया कि बार-बार ज्ञापन, प्रस्ताव और मौखिक आग्रह के बावजूद सरकार और प्रशासन आंख मूंदे बैठे हैं।हरि शंकर निषाद ने कहा की यह स्थिति दर्शाती है कि विकेंद्रीकरण और ग्राम स्वराज की बात करने वाली सरकार जमीनी हकीकत से कट चुकी है। बैठक के बहिष्कार के दौरान जिन प्रमुख मुद्दों को उठाया गया, उनमें 15वें वित्त की राशि का लंबे समय से भुगतान नहीं पंचायतों में विकास कार्य ठप, सरपंचों को आर्थिक व प्रशासनिक संकटस्वीकृत कार्यों की लंबित भुगतान प्रक्रियापंचायत कर्मियों को मानदेय संबंधी समस्याएं ग्रामीण योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही जिला स्तर पर जवाबदेही का अभाव शामिल हैं। वतन चंद्राकर ने कहा कि यदि आज भी आवाज नहीं उठाई जाती, तो पंचायत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाती। बैठक का बहिष्कार चेतावनी है, आंदोलन नहीं। यदि शीघ्र राशि जारी नहीं की गई और समस्याओं का समाधान नहीं हुआ,तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। जिला पंचायत सदस्यों ने मांग की है कि 15वें वित्त की बकाया राशि तत्काल जारी की जाए, पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त किया जाए और जिला स्तर पर लंबित समस्याओं का समयबद्ध निराकरण हो।

पेज 11 के शेष...

मैनपाट में कोहरे से जीरो...

बनी है, मगर वहां ठंड ने आम जनजीवन को प्रभावित कर रखा है। मैनपाट से आलू उत्पादन एवं ट्रेनिंग सेंटर में रात का तापमान पिछले तीन दिन से 2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हो रहा है। वहीं बलरामपुर के गैरुलाट नामक पठारी क्षेत्र का पारा एक डिग्री सेल्सियस से भी कम है। रात में शीतलहर का प्रकोप इतना अधिक है कि सुबह होने तक पेड़ों की पत्तियों पर बर्फ जम रही है। इतना ही नहीं, वहां के लोग कोहरे से भी प्रभावित है और सुबह की दृश्यता 5 मीटर से भी कम रहती है। सूरज निकलने और दिन चढ़ने के बाद ही वहां जनजीवन सामान्य हो रहा है। अंबिकापुर के मौसम विशेषज्ञों का दावा है कि दिसंबर में अक्सर वहां ठंड अपना असर दिखाती है, मगर इस बार इसकी शुरुआत नवंबर से हो चुकी है।

500 के नोट में ड्रग्स खींचते ...

जिसमें युवक-युवतियों का समूह पांच-पांच सौ रुपए के नोट में ड्रग लाइन बनाकर नशा करते दिख रहे हैं। वीडियो के आधार पर पुलिस 10 संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो तीन दिन पुराना राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के अमलीडीह स्थित एक युवती के फ्लैट का है।

धर्मांतरण के हिंसक ...

योजनाबद्ध हमले और स्थानीय प्रशासन के भेदभावपूर्ण रवैये पर पदाधिकारियों ने गहरा रोष व्यक्त किया। बैठक में चैंबर ने अपनी पूरी शक्ति झोंकने का निर्णय लिया है। बैठक की शुरुआत में चैंबर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने उपस्थित पदाधिकारियों को आमाबेड़ा घटना की जानकारी दी।

सुनियोजित बंद से व्यापारियों के हितों की रक्षा

पूर्व विधायक एवं चैंबर संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी ने इस घटना को दर्दनाक बताते हुए कहा कि धर्मांतरण की बढ़ती घटनाएं प्रदेश की शांति के लिए खतरा हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि बंद को इतना सुनियोजित रखा जाए कि ट्रांसपोर्टेशन और कच्चे माल के व्यापारियों को कम से कम आर्थिक नुकसान हो, लेकिन विरोध का संदेश स्पष्ट और कहा जाना चाहिए। पूर्व विधायक लाभचंद बाफना ने कहा कि यह बंद लेवल रायपुर तक सीमित नहीं रहना चाहिए। प्रदेश की प्रत्येक इकाई छोटे से छोटे व्यापारियों तक पहुंचे, ताकि कश्मीर से कन्याकुमारी तक इस एकता का संदेश जाए।

रेत का अवैध उत्खनन, चेन माउंटेन मशीन...

मिली। इसके माध्यम से यहां नदी से रेत बाहर निकाली जा रही थी। नदी के बाहर में कुछ स्थान पर रेत डंप की गई थी। टीम ने मोटर बोट, पाइप जब्त करने की कार्रवाई की। इसी प्रकार ग्राम कागदेही में चेन माउंटेन मशीन से रेत का खनन किया जा रहा था। इस मशीन को भी जब्त कर उसके मालिक का पता लगाकर उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए प्रकरण बनाया है। इस खदान को सील करने की कार्रवाई करते हुए उसके संचालक को नोटिस जारी किया है।

हिमाचल में बनी नकली दवा रायपुर...

इंतजार किया जा रहा है। गोगांव के नागपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट में पकड़ी गई नकली दवा के मामले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम विभिन्न बिंदुओं पर अपनी जांच कर रही है। सारंगढ़ और भाठापारा के बाद उनकी जांच का अगला पड़ाव इंदौर है। जब्त की गई दवा में हिमाचल और चेन्नई की कंपनी का जिक्र है, जिसे इंदौर से रायपुर भेजा गया था। जांच टीम उस शख्स की तलाश करेगी जिसने ट्रांसपोर्ट में इस दवा की बुकिंग कराई। माना जा रहा है कि यह काम दवा कारोबार से जुड़े किसी शख्स होगा। अफसरों का दावा है कि इंदौर में ट्रांसपोर्ट में दवा की बुकिंग कराने वाल शख्स का पता चलने के बाद मामला साफ हो जाएगा कि ट्रांसपोर्ट में लावारिस हालत में मिला दवा का काटून आखिर जाना कहां था। इस दवा के मामले की जानकारी इंदौर भेजी जा चुकी है और वहां के औषधि विभाग की टीम की मदद इस इंवेस्टीगेशन में लिया जाएगा। अधिकारिक सूत्रों का दावा है कि नकली दवा के इस कारोबार का नेटवर्क काफी बड़ा हो सकता है। ज्यादा मुनाफा के लालच में उनके द्वारा ग्रामीण इलाकों में एंटीबायोटिक दवा के नाम पर सफेद पावडर से बनी गोलियां बेच रहे हैं।

<B>00<B>00 इंदौर से जुड़ा था वाताहरी वटी का मामला<

दो साल पहले राजधानी में आयुर्वेद दवा वाताहरी वटी की मिलावटी का दवा का मामला सामने आया था। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने भारी मात्रा में काली गोलियां बरामद की थीं। इस वाताहरी वटी का मामला इंदौर से जुड़ा हुआ था। यहां की जांच टीम मामले की जानकारी के लिए वहां तक गई, मगर उन्हें निराशा हाथ लगी थी। इस मामले में प्रकरण केवल रायपुर जिले में दवा कारोबारियों के खिलाफ मामला बन पाया था।

पूरा नहीं हो सका पाठ्यक्रम अब शीतकालीन...

गया है कि वे पाठ्यक्रम पूर्ण करने के लिए योजना निर्माण कर उनका क्रियान्वयन करें। इसके लिए समय-सारिणी तैयार कर कक्षा 10वीं एवं 12वीं के लिए कक्षाएं संचालित करें। समय-सारिणी एवं योजना के संबंध में जिला शिक्षा कार्यालय को अवगत भी कराया जाएगा। जिन शालाओं का में उक्त कक्षा का पाठ्यक्रम पूर्ण हो चुका है, वे इस दौरान विगत 3 वर्षों के बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्रों के आधार पर बोर्ड परीक्षा की तैयारी कराना सुनिश्चित करेंगे। गौरतलब है कि मतदाता सूची गहन पुनर्निरीक्षण कार्य में शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने के कारण अधिकतर स्कूलों में पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हो सके हैं।

राजधानी में होगी मॉनिटरिंग: राजधानी रायपुर में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं पूर्ण हो चुकी हैं। शीतकालीन अवकाश के बाद यहां के स्कूलों में परीक्षा परिणामों की मॉनिटरिंग की जाएगी। बोर्ड कक्षाओं के परिणाम और स्कूलों में पाठ्यक्रम की स्थिति के आधार पर आगे की योजना बनाई जाएगी। जहां पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हो सके हैं या जहां के परिणाम औसत से कम रहेंगे, वहां अतिरिक्त कक्षाएं संचालित होंगी। गौरतलब है कि जिले के छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं की मेरिट लिस्ट में शामिल करने मिशन उत्कर्ष चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत ही कई तरह के प्रयोग इस बार किए जा रहे हैं।

खबर संक्षेप

नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर्स वेलकम पार्टी

रायपुर। नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत के लिए मैट्स विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा निजी होटल में विगत दिनों भव्य फ्रेशर्स वेलकम पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विभाग के सीनियर विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सीनियर एवं जूनियर विद्यार्थियों के बीच आपसी संवाद, सहयोग एवं सौहार्द्र को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर मैट्स विश्वविद्यालय के चांसलर गजराज पगारिया, डायरेक्टर जनरल प्रियांश पगारिया, कुलपति डॉ. केपी यादव एवं कुलसचिव गोकुलानंद पांडा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए विजेता विद्यार्थियों एवं आयोजन से जुड़े सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

जिला अस्पताल में जरूरतमंदों को बांटे कंबल

रायपुर। सहयोग एक सामाजिक संस्था की ओर से लगातार कंबल वितरित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को जिला अस्पताल और पंडरी में जरूरतमंदों को कंबल बांटे गए। यह कार्यक्रम शंकर पिजानी के नेतृत्व में किया जा रहा है। कंबल वितरण के अवसर पर पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, वरिष्ठ समाजसेवी किशोर आहूजा, महेश खिलनानी और सहयोग एक सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदर देवानी उपस्थित रहे।

कहार भोई समाज के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

रायपुर। मां कन्हाई परमेश्वरी सेवा समिति छत्तीसगढ़ कहार भोई समाज के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन और सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहित पदाधिकारियों ने समाज के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि छग महुआ कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. लखनलाल धीवर ने कहा कि मछुआ समाज के अंतर्गत निषाद, केंवट, मल्लाह, कहार, भोई आते हैं। कार्यक्रम में महिला सेवा मण्डली द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए। कैलेंडर विमोचन के अवसर पर अशोक पाण्डेय, अम्बर अग्रवाल, पार्षद अजय साहू, महेंद्र औसर, सुमन पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

निधन

कौशिल्या देवी शुक्ला

रायपुर। शांति विहार कॉलोनी डगनिया निवासी कौशिल्या देवी शुक्ला का 22 दिसंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 23 दिसंबर को सुबह 9 बजे निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे सुनील शुक्ला, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं महामाया देवी ट्रस्ट के सदस्य उपेंद्र शुक्ला, सतीश, संजय, सुषमा शुक्ला और साधना शर्मा की माता थीं।

मोहनलाल धनगर

रायपुर। धनगर मोहल्ला टिकरापारा निवासी मोहन लाल धनगर (85) का 22 दिसंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 23 दिसंबर को सुबह 11 बजे मारवाड़ी श्मशानघाट में किया जाएगा। वे अशोक, विजय और ओमकार धनगर के पिता थे।

रविवि का नया तुगलकी फरमान... डिग्री लेने की इच्छा नहीं तो भी देना होगा शुल्क!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि ने उपाधि शुल्क के संदर्भ में नया नियम जारी कर दिया है। 22 दिसंबर को जारी किए गए सामान्य आदेश के अनुसार, छात्रों को प्रवेश के दौरान अनिवार्य रूप से उपाधि शुल्क देना होगा। वर्तमान शैक्षणिक सत्र अर्थात 2025-26 से ही इसे लागू कर दिया गया है। चूंकि इस सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, इसलिए उक्त छात्र मई-जून में होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं के दौरान उपाधि शुल्क जमा करेंगे। आदेश के अनुसार, नवंबर माह में हुई कार्यपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णय के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से स्नातक अथवा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक छात्र द्वारा प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के समय उपाधि प्रमाण-पत्र शुल्क के रूप में 350 रुपए अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। वर्तमान सत्र 2025-26 के लिए यह शुल्क अध्ययनरत सभी छात्रों से मई-जून 2025-26 परीक्षा फार्म के साथ जमा करना होगा। कई विद्यार्थी ऐसे होते हैं, जो पढ़ाई पूरी करने के बाद डिग्री की आवश्यकता नहीं होने पर आवेदन नहीं करते हैं। जिन्हें जरूरत होती है, वे ही आवेदन कर उपाधि प्राप्त करते हैं। नए नियम के बाद जिन्हें डिग्री नहीं चाहिए, उन्हें भी फीस भरना होगा।

- **2 वर्ष के अंतराल में नहीं ली डिग्री तो काम नहीं आएगी पूर्व में जमा राशि**

प्रवेश के दौरान अनिवार्य रूप से जमा करना होगा उपाधि शुल्क

फीस भरी, फिर भर करना हो

प्रवेश के दौरान फीस भर चुकने के बाद भी छात्रों को पढ़ाई पूर्ण होने के बाद डिग्री के लिए आवेदन करना होगा। उन्हें अनिवार्य रूप से डिग्री प्रदान नहीं की जाएगी। अर्थात आवेदन करने पर ही डिग्री मिलेगी। प्रवेश के समय छात्रों द्वारा दिए गए उपाधि प्रमाण-पत्र शुल्क पढ़ाई पूर्ण होने के 2 वर्ष तक सामान्य आवेदन शुल्क के रूप में मान्य होगा। इस अवधि में उपाधि प्राप्त करने के लिए आवेदक छात्र को विश्वविद्यालय वेबसाइट पर निःशुल्क आवेदन करना होगा। उपाधि पूर्ण होने के 2 वर्ष के मध्य यदि छात्र तत्काल सुविधा के अंतर्गत उपाधि प्राप्त करना चाहता है, तो उसे विश्वविद्यालय वेबसाइट पर जाकर तत्काल सुविधा की अंतर की राशि 400 रुपए जमा करते हुए आवेदन करना होगा।

10 साल बाद किया आवेदन तो देने होंगे 2550 रुपए

नए नियम के अनुसार, छात्रों को पढ़ाई पूर्ण होने के केवल दो वर्ष तक ही डिग्री प्रवेश के वक्त जमा किए गए उपाधि शुल्क के आधार पर मिलेगी। इसके बाद छात्र जैसे-जैसे विलंब करते जाएंगे, वैसे-वैसे वृद्धि होती जाएगी। 2 से 5 वर्ष के भीतर आवेदन की स्थिति में 650 रुपए सामान्य शुल्क तथा 1050 रुपए तत्काल शुल्क रहेगा। 5 से 10 वर्ष के भीतर आवेदन की स्थिति में 1050 रुपए सामान्य शुल्क तथा 1550 रुपए अर्जेंट डिग्री का शुल्क होगा। 10 वर्ष से अधिक विलंब होने पर आवेदन की स्थिति में 2050 रुपए सामान्य शुल्क तथा 2550 रुपए अर्जेंट डिग्री शुल्क होगा।

खरोरा का गांजा तस्कर राकेश के खिलाफ सफेमा कोर्ट मुंबई ने जारी किया आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर से 40 किलोमीटर दूर खरोरा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गांजा की तस्करी और बिक्री करने के फरार आरोपी राकेश वर्मा की 1.5 करोड़ रुपए की संपत्ति को जब्ती बनाने का आदेश सफेमा कोर्ट मुंबई ने जारी किया है। इस आदेश के तहत खरोरा क्षेत्र के ग्राम खपरीडीहखुर्द में अलग-अलग जगह पर आरोपी ने खुद के तथा अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर 13 प्लाट खरीदे थे, जिसकी कुल कीमत 1.5 करोड़ रुपए आंकी गई है।

- **गांजा तस्करी-बिक्री की कमाई से आरोपी ने परिवार के सदस्यों के नाम पर खरीदे थे 13 प्लाट**

खरोरा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने 20 मई 2025 को एंटी क्राइम साइबर यूनिट की टीम के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए ग्राम छड़िया से मोहन सिंग कोशले उर्फ राकेश 40 वर्ष को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 27.894 गांजा बरामद किया था, जिसकी कीमत 4 लाख 18 हजार रुपए से अधिक थी। पुलिस ने इस आरोपी से पूछताछ की तो पता चला कि गांजा राकेश वर्मा 45 वर्ष निवासी खपरीडीहखुर्द का है, लेकिन मोहन की गिरफ्तारी के बाद राकेश फरार हो गया, जो अब तक पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है। पुलिस ने उसके विरुद्ध धारा 20बी नारकोटिक एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

1.5 करोड़ की संपत्ति जब्त

पुलिस ने गांजा बिक्री से खरीदी गई संपत्ति को जब्त करने सफेमा कोर्ट भेजा था प्रतिवेदन

पुलिस को इस मामले में राकेश वर्मा और उसके परिवार के बारे में जांच में पता चला था कि आरोपी बड़े पैमाने पर गांजा की तस्करी-बिक्री करता है। इस प्रतिबंधित अवैध कारोबार की बदौलत राकेश ने खुद के और परिवार के अन्य कई सदस्यों के नाम पर खपरीडीहखुर्द में कई स्थानों पर प्लाट ले रखा था। जांच पर पुलिस के सामने यह भी तथ्य आए कि राकेश ने गांजा बिक्री की कमाई से 13 जगहों पर प्लाट खरीदे हैं। पुलिस के इस प्रतिवेदन के आधार पर सफेमा कोर्ट मुंबई ने आरोपी की संपत्तियों को जब्त करने का आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत राकेश की 1.5 करोड़ रुपए की संपत्ति को जब्त किया है।

ब्लू वाटर में मिली सिर कटी लाश उरला में नाचने के विवाद पर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

उरला थाना क्षेत्र में पंथी नाच के दौरान बेमेतरा से आए एक युवक पर दो नाबालिगों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना सोमवार तड़के 5 बजे की है। युवक की हत्या के संदेह में पुलिस ने दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। दूसरी घटना माना थाना क्षेत्र की है, जहां ब्लू वाटर में सिर कटी लाश मिलने से सनसनी फैल गई।

- **हत्या के आरोप में दो नाबालिग हिरासत में लिए गए**

पहली घटना में पुलिस के अनुसार, नितील खरे अपने चाचा के यहां आया था। गांव के सतनाम चौक पर पंथी नृत्य का आयोजन किया गया था, जिसमें शामिल होने नितील भी गया था। देर रात ढाई बजे नाचने के दौरान नितील का वहां डांस कर रहे दो लड़कों के साथ विवाद हो गया। मौके पर उपस्थित लोगों ने विवाद शांत कराया।

मैटर हो गया.. कहकर दोस्त को बुलाया : कार्यक्रम समाप्त होने के बाद नितील तड़के 5 बजे अपने चाचा के घर पहुंचा। वहां पहुंचने के बाद घर के बाहर नितील बैठा था, इस दौरान एक नाबालिग नितील के पास पहुंचा और उसके साथ विवाद करते हुए उस पर चाकू से वार कर दिया और अपने एक अन्य नाबालिग दोस्त को कॉल कर नितील के साथ मैटर होने की बात कहकर जल्दी पहुंचने के लिए कहा। नाबालिग अपने घर से सब्जी काटने वाला चाकू लेकर पहुंचा और उसने बगैर कुछ जानकारी लिए नितील पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया।

सिर कटी लाश मिलने से हड़कंप

नवा रायपुर स्थित ब्लू वाटर में स्थानीय लोगों ने सोमवार शाम पुलिस को सिर कटी लाश मिलने की सूचना दी। लाश पूरी तरह से सड़ चुकी है। लाश का प्राइवेट पार्ट भी गायब है। बताया जा रहा है कि लाश के हाथ-पैर बंधे हुए थे। मृतक की अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस हत्या के साथ अन्य एंगल से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पुलिस मौत का कारण बता पाने की बात कह रही है।

पीएम रिपोर्ट के बाद पता लगेगा

लाश काफी पुरानी है, बॉडी के पार्ट गायब हैं। हत्या, एक्सीडेंट तथा अन्य एंगल से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। *- डॉ. लाल उमेद सिंह, एसएसपी रायपुर*

दवा पिलाने घर-घर घूम रही टीम, जहां मिला ताला, वहां कर आई 'एक्स' मार्किंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्वास्थ्य विभाग की टीम सोमवार से पोलियो की दवा पिलाने घर-घर घूम रही है। जहां बच्चे मिल रहे हैं वहां पोलियो ड्राप्स दिया जा रहा और जिस घर में ताला मिल रहा है, वहां एक्स मार्किंग की जा रही है। मंगलवार को करीब 13 हजार बच्चों को दवा पिलाने के लिए फिर से प्रयास किया जाएगा। जिले में 3.45 लाख की तुलना में 3.32 लाख बच्चों को दवा पिलाने का काम पूरा किया गया है।

- **3.45 लाख बच्चों को दवा पिलाने का टार्गेट, 3.32 लाख पर मिली सफलता**

स्वास्थ्य विभाग की टीम पोलियो की खुराक पिलाने अभियान को वृहद स्तर पर चलाती है। इसके लिए मैदानी अमले को गली-मोहल्ले में बनाए जाने वाले बूथ के अलावा घर-घर जाकर पांच साल तक के बच्चों को दवा पिलाने का काम दिया जाता है। रविवार को बूथ लेबल पर काम पूरा किए जाने के बाद सोमवार को घर-घर भ्रमण किया गया। रायपुर जिले के 2.91 लाख घरों का दरवाजा इस अभियान के लिए खटखटाया गया। इस दौरान जिस 1491 घरों में रिस्पांस नहीं मिला वहां एक्स मार्किंग कर दिया गया। ऐसे घरों में मंगलवार को विभागीय टीम एक बार फिर अपना उद्देश्य लेकर पहुंचेगी।

अभियान को पूरा करने बनाए थे 1383 बूथ

रायपुर जिले में निर्धारित लक्ष्य में 12800 बच्चे पोलियो की दवा नहीं पी पाए हैं। ऐसे लोगों तक पहुंचने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मंगलवार को एक बार पुनः प्रयास किया जाएगा। इस अभियान की मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तर पर टीम बनाई गई है। अभियान के तीसरे दिन लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूरा करने का लक्ष्य मैदानी अमले को दिया गया है। जिले में इस अभियान की शुरुआत शासकीय आयुर्वेद अस्पताल से की गई थी। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि रायपुर जिले में इस अभियान को पूरा करने के लिए 1383 बूथ बनाए गए थे।

भाजपा जनादेश नहीं क्षमा परब मनाए, दो साल पहले जनता से किए गए वादों को भूल गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, भाजपा सरकार किस बात का जनादेश परब मना रही है। भाजपाई जनादेश नहीं क्षमा परब मनाएं। 2 साल पहले जिन वादो को जनता से कर जनादेश हासिल किया, उसको भूल गये, अब उत्सव मना रहे। 2 साल से किसान परेशान हैं, टोकन, तौलाई, बारदाना के लिए भटकने मजबूर हैं।

- **भाजपा सरकार की वादा खिलाफी से हर वर्ग परेशान कर रहा आंदोलन : बैज**

दो सालों में मात्र डेढ़ किलोमीटर सड़क भी नहीं बना पाये। सड़कें बदहाल हैं, मरम्मत तक नहीं हो पा रही है। 10463 स्कूल बंद कर दिया, एक भी स्कूल नहीं खोले। हजारों शिक्षक रिटायर हुए, लेकिन भर्ती रोक रखी है। 2 साल में पांच बार बिजली के दाम बढ़ाए गए। 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ की योजना बंद है।

उन्होंने कहा, भूखंडों की गाइड लाइन दरों में 800 प्रतिशत तक अनाप-शनाप वृद्धि कर दी गई। 5 डिसमिल की रजिस्ट्री बंद कर गरीबों को परेशान कर रहे हैं। भाजपा सरकार की वादा खिलाफी से हर वर्ग परेशान होकर आंदोलन कर रहा है। पटवारी, पंचायत सचिव, मितानिन आंगनवाड़ी वर्कर सहित हर विभाग के कर्मचारी सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। 100 दिन में अनियमित कर्मचारी को नियमित करने का वादा जुमला निकला, उल्टे अनियमित कर्मचारी नौकरी से निकाले जा रहे हैं। 2 साल में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। सरकारी अस्पतालों में ना जांच हो रही है ना इलाज हो रहा है, ना ही दवाएं उपलब्ध हैं।

2 साल में छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़, अवैध नशे का गढ़ और भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया गया है। रेत माफिया, भू माफिया और खनन माफिया सरकार चला रहे हैं।

सरकार के खिलाफ चौतरफा आक्रोश

उन्होंने कहा, साय सरकार ने अपने 2 साल के कार्यकाल में जनता का भरोसा खो दिया। सरकार के खिलाफ चौतरफा आक्रोश है। मोदी की गारंटी के नाम पर जनता का मत हासिल किया। 2 साल में एक भी मोदी की गारंटी को पूरा नहीं किया। सरकार से प्रदेश का हर वर्ग नाराज है। भाजपा सरकार के 2 साल में छत्तीसगढ़ की जनता को निराश किया है। साय सरकार की उपलब्धि के नाम पर पिछली सरकार की योजनायें बंद करना मात्र है। साय सरकार ने जनता के हित में चलाई जाने वाली योजनओं को दुर्भावनापूर्ण बंद किया। यह सरकार दुर्भावना वाली सरकार है।

सतनामी समाज का परिचय सम्मेलन 4 को अग्रिम पंजीयन शुरू

रायपुर। न्यू राजेंद्र नगर स्थित अकादमी भवन में रविवार को गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की बैठक हुई, जिसमें आगामी 4 जनवरी को शहीद स्मारक भवन में आयोजित होने जा रहे राष्ट्र स्तरीय सतनामी समाज के विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन की रूपरेखा बनाकर प्रमुखजनों को जिम्मेदारी बांटी गई। इसके लिए अग्रिम पंजीयन शुरू हो चुके हैं, जिसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित है। कार्यक्रम में बिना पंजीयन किसी भी प्रतिभागी या उनके परिजनों को प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी। आयोजन समिति की संरक्षक शकुन डहरिया, अध्यक्ष केपी खण्डे एवं प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि अपने भावी जीवनसाथी की तलाश में छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों से बड़ी संख्या में प्रतिभागी अपने अभिभावकों के साथ राजधानी पहुंच रहे हैं। बैठक में डॉ. जेआर सोनी, सुंदरलाल जोगी, कपिल नारायण भारद्वाज, केएल रवि, आरके पाटले, प्रकाश बंदे, अरुण मंडल, लाला पुरेना आदि मौजूद थे।

पेज 11 के शेष ...

मैनपाट में कोहरे से...

बनी है, मगर वहां ठंड ने आम जनजीवन को प्रभावित कर रखा है। मैनपाट से आलू उत्पादन एवं ट्रेनिंग सेंटर में रात का तापमान पिछले तीन दिन से 2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हो रहा है। वहीं बलरामपुर के गैरुलाट नामक पठारी क्षेत्र का पारा एक डिग्री सेल्सियस से भी कम है। रात में शीतलहर का प्रकोप इतना अधिक है कि सुबह होने तक पेड़ों की पत्तियों पर बर्फ जम रही है। इतना ही नहीं, वहां के लोग कोहरे से भी प्रभावित है और सुबह की दृश्यता 5 मीटर से भी कम रहती है। सूरज निकलने और दिन चढ़ने के बाद ही वहां जनजीवन सामान्य हो रहा है। अंबिकापुर के मौसम विशेषज्ञों का दावा है कि दिसंबर में अक्सर वहां ठंड अपना असर दिखाती है, मगर इस बार इसकी शुरुआत नवंबर से हो चुकी है।

500 के नोट में ...

जिसमें युवक-युवतियों का समूह पांच-पांच सौ रुपए के नोट में ड्रग लाइन बनाकर नशा करते दिख रहे हैं। वीडियो के आधार पर पुलिस 10 संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो तीन दिन पुराना राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के अमलीडीह स्थित एक युवती के फ्लैट का है।

धर्मांतरण के हिंसक ...

योजनाबद्ध हमले और स्थानीय प्रशासन के भेदभावपूर्ण रवैये पर पदाधिकारियों ने गहरा रोष व्यक्त किया। बैठक में चैंबर ने अपनी पूरी शक्ति झोंकने का निर्णय लिया है। बैठक की शुरुआत में चैंबर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने उपस्थित पदाधिकारियों को आमाबेड़ा घटना की जानकारी दी।

सुनियोजित बंद से व्यापारियों के हितों की रक्षाः पूर्व विधायक एवं चैंबर संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी ने इस घटना को दर्दनाक बताते हुए कहा कि धर्मांतरण की बढ़ती घटनाएं प्रदेश की शांति के लिए खतरा हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि बंद को इतना सुनियोजित रखा जाए कि ट्रांसपोर्टेशन और कच्चे माल के व्यापारियों को कम से कम आर्थिक नुकसान हो, लेकिन विरोध का संदेश स्पष्ट और कहा जाना चाहिए। पूर्व विधायक लाभचंद बाफना ने कहा कि यह बंद लेवल रायपुर तक सीमित नहीं रहना चाहिए। प्रदेश की प्रत्येक इकाई छोटे से छोटे व्यापारियों तक पहुंचे, ताकि कश्मीर से कन्याकुमारी तक इस एकता का संदेश जाए।

रेत का अवैध ...

मिली। इसके माध्यम से यहां नदी से रेत बाहर निकाली जा रही थी। नदी के बाहर में कुछ स्थान पर रेत डंप की गई थी। टीम ने मोटर बोट, पाइप जब्त करने की कार्रवाई की। इसी प्रकार ग्राम कागदेही में चेन माउंटेन मशीन से रेत का खनन किया जा रहा था। इस मशीन को भी जब्त कर उसके मालिक का पता लगाकर उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए प्रकरण बनाया है। इस खदान को सील करने की कार्रवाई करते हुए उसके संचालक को नोटिस जारी किया है।

हिमाचल में बनी ...

इंतजार किया जा रहा है। गोगांव के नागपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट में पकड़ी गई नकली दवा के मामले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम विभिन्न बिंदुओं पर अपनी जांच कर रही है। सारंगढ़ और भाठापारा के बाद उनकी जांच का अगला पड़ाव इंदौर है। जब्त की गई दवा में हिमाचल और चेन्नई की कंपनी का जिक्र है, जिसे इंदौर से रायपुर भेजा गया था। जांच टीम उस शख्स की तलाश करेगी जिसने ट्रांसपोर्ट में इस दवा की बुकिंग कराई। माना जा रहा है कि यह काम दवा कारोबार से जुड़े किसी शख्स होगा।

अफसरों का दावा है कि इंदौर में ट्रांसपोर्ट में दवा की बुकिंग कराने वाल शख्स का पता चलने के बाद मामला साफ हो जाएगा कि ट्रांसपोर्ट में लावारिस हालत में मिला दवा का काटून आखिर जाना कहां था। इस दवा के मामले की जानकारी इंदौर भेजी जा चुकी है और वहां के औषधि विभाग की टीम की मदद इस इंवेस्टीगेशन में लिया जाएगा। अधिकारिक सूत्रों का दावा है कि नकली दवा के इस कारोबार का नेटवर्क काफी बड़ा हो सकता है। ज्यादा मुनाफा के लालच में उनके द्वारा ग्रामीण इलाकों में एंटीबायोटिक दवा के नाम पर सफेद पावडर से बनी गोलियां बेच रहे हैं।

इंदौर से जुड़ा था वाताहरी वटी का मामला : दो साल पहले राजधानी में आयुर्वेद दवा वाताहरी वटी की मिलावटी का दवा का मामला सामने आया था। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने भारी मात्रा में काली गोलियां बरामद की थीं। इस वाताहरी वटी का मामला इंदौर से जुड़ा हुआ था। यहां की जांच टीम मामले की जानकारी के लिए वहां तक गई, मगर उन्हें निराशा हाथ लगी थी। इस मामले में प्रकरण केवल रायपुर जिले में दवा कारोबारियों के खिलाफ मामला बन पाया था।

पूरा नहीं हो सका ...

गया है कि वे पाठ्यक्रम पूर्ण करने के लिए योजना निर्माण कर उनका क्रियान्वयन करें। इसके लिए समय-सारिणी तैयार कर कक्षा 10वीं एवं 12वीं के लिए कक्षाएं संचालित करें। समय-सारिणी एवं योजना के संबंध में जिला शिक्षा कार्यालय को अवगत भी कराया जाएगा। जिन शालाओं का में उक्त कक्षा का पाठ्यक्रम पूर्ण हो चुका है, वे इस दौरान विगत 3 वर्षों के बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्रों के आधार पर बोर्ड परीक्षा की तैयारी कराना सुनिश्चित करेंगे। गौरतलब है कि मतदाता सूची गहन पुनर्निरीक्षण कार्य में शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने के कारण अधिकतर स्कूलों में पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हो सके हैं।

राजधानी में होगी मॉनिटरिंग : राजधानी रायपुर में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं पूर्ण हो चुकी हैं। शीतकालीन अवकाश के बाद यहां के स्कूलों में परीक्षा परिणामों की मॉनिटरिंग की जाएगी। बोर्ड कक्षाओं के परिणाम और स्कूलों में पाठ्यक्रम की स्थिति के आधार पर आगे की योजना बनाई जाएगी। जहां पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हो सके हैं या जहां के परिणाम औसत से कम रहेंगे, वहां अतिरिक्त कक्षाएं संचालित होंगी। गौरतलब है कि जिले के छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं की मेरिट लिस्ट में शामिल करने मिशन उत्कर्ष चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत ही कई तरह के प्रयोग इस बार किए जा रहे हैं।

बिना सर्वे जमीन के रेट बढ़ाना किसानों पर अन्याय

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बिना किसी जमीनी सर्वे, स्थानीय परिस्थितियों और वास्तविक बाजार मूल्य का आकलन किए बिना भूमि की गाइडलाइन दरों में की गई भारी बढ़ोतरी से प्रदेशभर के किसानों में गहरा असंतोष है। वहीं शनिवार को रायपुर प्रेस क्लब में पत्रकारवार्ता लेकर किसान और वकीलों ने संयुक्त पत्रकारवार्ता में सरकार एकतरफा और जनविरोधी निर्णय बताते हुए कहा कि सरकार राजस्व बढ़ाने के लिए किसानों पर आर्थिक बोझ डाल रही है। साथ ही जमीनों की बढ़ी गाइडलाइन से लगभग 300 किसान रायपुर कलेक्ट्रेट में अपनी आपत्ति दर्ज करा चुके हैं और लगातार किसान अपनी आपत्ति दर्ज करा रहे हैं। इसके बावजूद उन क्षेत्रों को उच्च श्रेणी में रखकर दरें बढ़ा दी गईं, जो किसानों के साथ अन्याय है। उन्होंने सरकार से जनहित को सर्वोपरि रखते हुए तत्काल पुनर्विचार की मांग की है। पत्रकारवार्ता में मुख्य रूप में अधिवक्ता आकाश हिंदुजा, अधिवक्ता और किसान केशव वैष्णव, किसान भीषण बंजारे, जुड़ावन साहू, पवन कुमार साहू, रामकुमार साहू, थलेंद्र साहू, दिलीप साहू, अमीन खान, जीतू देवांगन आदि उपस्थित रहे।

- **पत्रकारवार्ता में किसानों और वकीलों ने कहा- फैसले थोपना बंद करे राज्य सरकार**

चांदी के दाम सालभर में 5 से 10 हजार कम-ज्यादा होते थे, अब एक ही दिन में दस हजार बढ़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

चांदी के दाम ने इस साल नया रिकॉर्ड बनाया है। पांच साल पहले चांदी के दाम सालभर में 5 से 10 हजार ही कम ज्यादा होते थे, लेकिन अब तो चांदी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं और रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बन रहे हैं। एक ही दिन में चांदी के दाम करीब दस हजार बढ़ गए हैं। शनिवार को बाजार बंद होने पर दाम 207000 रुपए किलो थे, जो सोमवार को बाजार खुलने पर 215000 हो गए। यानी एक ही दिन में 9700 रुपए दाम बढ़े। पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। सोने के दाम भी लगातार आसमान पर जा रहे हैं। सोना अब डेढ़ लाख के रास्ते पर है। इस समय दाम 137700 रुपए हैं।

इस साल सोने और चांदी के दाम बहुत तेजी से बढ़े हैं। चांदी के दाम इस साल के पहले दिन 88500 रुपए किलो थे जो इस समय दो लाख 15 हजार रुपए हो गए हैं। यानी चांदी के दाम इस साल डबल से भी ज्यादा हो गए हैं। चांदी के दाम साल भर में सवा लाख से भी ज्यादा बढ़े हैं।

शनिवार को बाजार बंद होने पर 207000 थे दाम, सोमवार को बाजार खुलने पर 215000 हो गए

एक माह में 60 हजार बढ़े दाम

चांदी के दाम किस रफ्तार से बढ़ रहे हैं इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि एक माह में ही इसके दाम करीब 60 हजार बढ़े हैं। 21 नवंबर को चांदी के दाम राजधानी रायपुर में जीएसटी के साथ 155500 रुपए थे जो अब 22 दिसंबर को 215000 हजार हो गए हैं। यानी एक माह में दाम 59500 रुपए बढ़े हैं। इसने दाम तो कभी दस साल में भी नहीं बढ़े।

पहले कभी नहीं बढ़े इतने दाम

चांदी के दाम शनिवार को बाजार बंद होने पर 207000 रुपए थे जो सोमवार को बाजार खुलने पर 215000 हजार हो गए। पहले कभी इतने ज्यादा दाम नहीं बढ़े थे।

- हरख मालू, सराफा कारोबारी

साल भर में बढ़े एक लाख 26 हजार रुपए

चांदी के दाम कुछ साल पहले तक सीमित ही बढ़ते थे, लेकिन इस एक ही साल में चांदी के दाम में भारी इजाफा हुआ है। पांच साल पहले 2021 में चांदी के दाम जनवरी में 67520 रुपए थे। ये दाम कम होकर जनवरी 2022 में 60 हजार रुपए हो गए। इसके बाद एक साल में दाम 12 हजार ही बढ़े और जनवरी 2023 में 72 हजार रुपए हुए। इसके बाद एक साल में दाम महज चार हजार बढ़े और जनवरी में 2024 में दाम 76 हजार रुपए हुए। एक साल में फिर से दाम 12500 रुपए ही बढ़े और इस साल के प्रारंभ में इसके दाम 88500 हो गए। लेकिन 2025 में इसके दाम ने ऐसा कमाल किया है कि इसके दाम दो लाख के पार होकर इस समय दो लाख 15 हजार हो गए हैं। यानी एक ही साल में दाम एक लाख 26 हजार 500 रुपए बढ़े हैं।

खबर संक्षेप

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह

रायपुर। संतोषी नगर स्थित कर्माधाम कृष्णानगर में सोमवार को शहर जिला साहू संघ रायपुर के नवनिर्वाचित एवं मनोनीत पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, गणमान्य अतिथि एवं बड़ी संख्या में साहू समाज के पदाधिकारी तथा सदस्य शामिल हुए। शपथ ग्रहण के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समाज के सर्वांगीण विकास, संगठन की मजबूती एवं जनसेवा के लिए निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया। समारोह में कई वरिष्ठ एवं विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए समाजहित में कार्य करने का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की एकता, शिक्षा, सामाजिक समरसता एवं युवाओं की सहभागिता से समाज को नई दिशा मिलेगी। यह कार्यक्रम वर्ष 2025-26 के लिए गठित नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण के अवसर पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में युवा भाजपा नेता दिलीप साहू के महती भूमिका रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू और विधायक मोतीलाल साहू, छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष डा. निरेंद्र साहू आदि उपस्थित रहे।

प्रकाश अध्यक्ष और डा. हरितवाल बने उपाध्यक्ष

रायपुर। सदर बाजार स्थित अरविंदो नेत्रालय में सोमवार को वार्षिक चुनाव किया गया, जिसमें अध्यक्ष प्रकाश दावड़ा और उपाध्यक्ष डॉ. निरंजन हरितवाल को बनाया गया। अन्य पदाधिकारियों में तकनीकी सदस्य शांतिलाल बरड़िया के अलावा कार्यकारी सदस्यों में प्रकाशचंद गोलछा, डॉ. आनंद सक्सेना, हेम कुमार जैन, विमलचंद मालू, गोपाल चोपड़ा, पदम चंद जैन, अशोकचंद सराफ, मनमोहन पारेख को चुना गया है। यह चुनाव पदम गोलछा के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष डॉ. निरंजन हरितवाल ने बताया कि अरविंदो नेत्रालय, नेत्ररोग का प्रसिद्ध अस्पताल है, जहां इस वर्ष 32 लोगों को नेत्रदान किया गया। अब तक 65 लोगों को नेत्रदान कराया गया है। पूरे छत्तीसगढ़ में निशुल्क नेत्र शिवर आयोजित उनका निशुल्क लेंस लगाकर ऑपरेशन किया जाता है।

काम पूर्ण होने में डेढ़ से दो माह और लगेंगे

वर्क आर्डर जारी होने के 7 माह बाद स्काईवॉक पर पहला गर्डर चढ़ा, 20 और चढ़ाना बाकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी रायपुर के जयस्तंभ चौक से लेकर जेल रोड तक अधूरे स्कॉईवॉक का दोबारा शुरू हुआ, लेकिन निर्माण कार्य काफी धीमी रफ्तार से चल रहा है। इस अधूरे स्कॉईवॉक पर कुल 21 गर्डर लगने हैं, लेकिन निर्माण एजेंसी अब तक मात्र एक गर्डर ही चढ़ा पायी है। यह गर्डर भी एक-दो दिन पहले ही चढ़ाया गया है।

सूत्रों के अनुसार वर्क आर्डर के अनुसार दिसंबर माहांत तक यह कार्य पूर्ण किया जाना है, लेकिन जिस रफ्तार से एजेंसी काम कर रही है, उसे देखकर संभावना जताई जा रही है कि यह काम पूर्ण होने में डेढ़ से दो माह और लगेंगे। हालांकि इधर पीडब्ल्यूडी अफसरों का कहना है कि 21 में से 15 गर्डर तैयार हो गए हैं, वहीं शेष गर्डर भी आगामी कुछ दिनों में बन जाएंगे। अधिकारियों का यह भी कहना है कि गर्डर लगाने में सबसे बड़ी बाधा ट्रैफिक है। सुरक्षा की दृष्टि से रात के समय में रास्ता ब्लॉक कर गर्डर लगवाए जा रहे हैं, इसलिए काम की रफ्तार धीमी है।

दो दिन बाद 2 और गर्डर लगाए जाएंगे

अधिकारियों के अनुसार गर्डर लगाने के काम में अब तेजी आएगी, क्योंकि 15 गर्डर तैयार हैं। इन गर्डर को पहले चढ़ाया जाएगा। शुरुआत में एक गर्डर को चढ़ाया है। इस गर्डर के सफलतापूर्ण रूप से चढ़ाए जाने के बाद अब अन्य गर्डर को भी धीरे-धीरे चढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी 2 से 3 दिन के भीतर दो और गर्डर चढ़ाए जाएंगे। इसके लिए तैयारी की जा रही है। गर्डर चढ़ाने में सबसे ज्यादा परेशानी इस मार्ग पर आवागमन है। दिन के समय में आवागमन बंद किया नहीं जा सकता है, इसलिए रात के समय में गर्डर चढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

गर्डर लगाने के बाद एस्केलेटर लिफ्ट लगाई जाएगी

गर्डर का काम पूरा होने के बाद एस्केलेटर और लिफ्ट लगाने का काम किया जाएगा। स्कॉईवॉक में एस्केलेटर और लिफ्ट लगाने के लिए जगह पहले से तय कर दिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार मेकाहारा, डीकेएस हास्पिटल जैसी आपातकालीन भवनों के पास लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए जाएंगे, ताकि इस सुविधा का लाभ मरीज और उनके परिजन ज्यादा से ज्यादा उठा सके। रोड क्रास करते समय उन्हें ट्रैफिक का सामना नहीं करना पड़ा और मरीजों को स्ट्रेचर सहित एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक आसानी से ले जाया जा सकेगा। इसी उद्देश्य से लिफ्ट और एस्केलेटर को हास्पिटल के पास बनाए जा रहे हैं।

स्काईवाक बनने से पैदल यात्रियों का सड़क पर दबाव कम होगा

स्काईवाक के निर्माण से आम लोगों को ट्रैफिक समस्या से काफी राहत मिलेगी। स्कॉईवाक के बनने के बाद पैदल यात्री स्काईवॉक से आवागमन करेंगे। इससे सड़क पर पैदल यात्रियों का दबाव कम होगा, जिससे दोपहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया सहित अन्य गाड़ियों को आवाजाही में जाम से कम जूझना पड़ेगा। रेलवे स्टेशन, शास्त्री चौक और जय स्तंभ चौक जैसे व्यस्त क्षेत्रों में पैदल यात्रियों के कारण भी कभी-कभी जाम की स्थिति बनती है। स्काईवॉक बनने के बाद इससे राहत मिलेगी।

जनजातीय परंपराओं पर हमला, न्यायिक जांच के बाद अधिकारियों पर करें कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ कांकेर में कफन-दफन को लेकर उत्पन्न विवाद, पीड़ितों ने पत्रकार वार्ता में सुनाई व्यथा

सर्व समाज बस्तर एवं जनजाति सुरक्षा मंच के साथ संविधान की पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत अधिसूचित जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आस्था और परंपराओं पर हमला होने लगा है। इससे असुरक्षा के साथ ही तनाव की स्थिति निर्मित होने लगी है। कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र में 15 से 18 दिसंबर के बीच हुई गंभीर और संवैधानिक एवं कानून-व्यवस्था से जुड़ी घटना की तथ्यात्मक जानकारी देने के लिए आए हैं। इस घटना ने न केवल स्थानीय शांति व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया है, जनजातीय ग्रामसभा के मूल्यों तथा प्रशासनिक निष्पक्षता की गंभीर परीक्षा है। मंच से जुड़े देवेन्द्र टेकाम के साथ आए पीड़ित ग्रामीणों ने प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में व्यथा सुनाई। उन्होंने बताया कि 15 दिसंबर को बड़ेतेवड़ा निवासी चमरा राम सलाम की मृत्यु हुई है। जब मृतक के पुत्र राजमन सलाम, जो अभी गांव का सरपंच है, उसी रात 10 बजे शव में गांव को लेकर पहुंचा। 16 दिसंबर की सुबह ग्राम समाज के पदाधिकारी, ग्रामीण शव के अंतिम संस्कार के विषय में चर्चा के लिए पहुंचे, तो ग्रामसभा की अनुमति के बिना बाहरी लोगों, भीम आर्मी से जुड़े पदाधिकारी एवं पास्टर-पादरी की उपस्थिति में ग्रामीणों द्वारा स्पष्ट कहा गया कि गांव का श्मशान स्थल जनजातीय आस्था, पेन-पुरखा परंपरा एवं सामाजिक नियमों से संचालित होता है। अंतिम संस्कार उसी विधि से किया जाना चाहिए। सरपंच एवं उनके परिजनों ने धमकी देते हुए निजी भूमि में ईसाई रीति-रिवाज से शव को दफन करके कब्र पर चबूतरा बना दिया।

उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच करवाई जाए

आपत्ति करने पर तैयारी के साथ पहुंचे बाहरी लोगों ने ग्रामीणों के साथ मारपीट करते हुए 25 लोगों को घायल किया। इनमें निहत्थे ग्रामीणों में 11 लोगों की स्थिति बहुत गंभीर है। हम मांग करते हैं कि संपूर्ण घटना की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष जांच की जा जाए। जनजातीय आस्था और परंपरा पर हमला करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। घटना में पक्षपात करने वाले जिला पुलिस अधीक्षक, अंतागढ़ एसडीएम, तहसीलदार पर जांच बिठाई जाए, ताकि घटना में संदिग्ध भूमिका भी उजागर हो सके।

कांग्रेस ने कहा - नड्डा के बयान पर एनआईए करे उनसे पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा का यह बयान कि झीरम के मामले में हमला करवाने के लिए अपने लोगों को मरवाने के लिए कांग्रेसी नक्सलियों से संपर्क कर रहे थे, कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा, नड्डा झीरम के शहीदों का अपमान कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि एनआईए नड्डा से पूछताछ करे कि उनका इस बयान देने का आधार क्या है? कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि जेपी नड्डा पर भारतीय जनता पार्टी कार्रवाई करे। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी झीरम के षड्यंत्र को उजागर होने का पूरा प्रयास करेगी। इस षड्यंत्र को उजागर होने में कितनी भी बाधाएं पैदा की जाएं उनका डट कर मुकाबला करेगी।

उन्होंने कहा, जेपी नड्डा ने राजनीतिक बयानबाजी के लिए सारी मर्यादा को तार-तार किया है। कांग्रेस ने झीरम हमले में अपने नेताओं की पूरी एक पीढ़ी को खोया है और उस समय राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी। एनआईए ने तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह से पूछताछ क्यों नहीं की? रमन सिंह का नार्को टेस्ट करवा लिया जाए, झीरम का पूरा सच सामने आ जायेगा। क्यों एनआईए आज तक झीरम हमले के दोषियों तक नहीं पहुंच पायी? जेपी नड्डा इस प्रकार का बयान दे रहे हैं, उनके पास तथ्यात्मक आधार क्या है, एनआईए को उनसे पूछताछ करनी चाहिए। उन्होंने कहा, भाजपा डरती है झीरम का सच सामने आ जायेगा तो वह बेनकाब हो जायेगी। एक साथ विपक्ष के 32 नेताओं की हत्या हो गयी और तत्कालीन सरकार ने सच सामने आने देने से रोकने में पूरी ताकत लगा रखी थी। भाजपा के बड़े नेता झीरम की जांच को रोकने लगातार कोशिशें करते रहे। भाजपा के तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने झीरम की जांच रोकने पीआईएल क्यों लगाया था?

■ रमन का नार्को टेस्ट करवा लिया जाए झीरम का पूरा सच सामने आ जाएगा- सुशील

■ नड्डा ने कहा- झीरम मामले में अपने लोगों को मरवाने कांग्रेसी नक्सलियों से संपर्क कर रहे थे

भाजपा ने किया षड़यंत्र

श्री शुक्ला ने कहा कि भाजपा ने झीरम का सच रोकने कदम-कदम पर षड़यंत्र किया। कांग्रेस सरकार ने इसकी जांच के लिये एसआईटी का गठन किया था, लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार ने एनआईए से झीरम की फाइल एसआईटी को नहीं देने दिया। एनआईए को हाईकोर्ट ने भी एसआईटी को फाइल देने का आदेश दिया तब एनआईए सुप्रीम कोर्ट अपील में चली गई। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2023 को एनआईए की अपील खारिज करते हुये कहा, एसआईटी झीरम मामले की जांच कर सकती है, फाइल वापस करे। सुप्रीम कोर्ट के फैसला आने तक राज्य में सरकार बदल गयी थी। कांग्रेस मांग करती है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा गठित एसआईटी मामले के षड़यंत्रों की जांच शुरू करे।

त्वरित पहल से रोकी जा सकती हैं बच्चों में किडनी की दीर्घकालिक बीमारियां, फास्टफूड कम करने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

त्वरित पहल के माध्यम से बच्चों को होने वाली किडनी संबंधित समस्याओं को दीर्घकालिक बीमारी में बदलने से रोका जा सकता है। बच्चों की बदलती लाइफस्टाफ और फास्ट फूड के कल्चर को कम बीमारी का जोखिम कम किया जा सकता है। एम्स में दो दिन "बाल रोग आपातकालीन डायलिसिस एवं थैरेप्यूटिक एफेरेसिस मॉड्यूल पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

एम्स के बाल रोग एवं नेफ्रोलॉजी विभाग द्वारा दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के सहयोग से आयोजित यह कार्यशाला आपातकालीन परिस्थितियों में बाल्यावस्था की तीव्र किडनी क्षति से जुड़ी बीमारियों का प्रबंधन करने वाले बाल रोग विशेषज्ञों एवं चिकित्सा अधिकारियों के लिए आयोजित की गई। इसका मुख्य उद्देश्य रोग की शीघ्र पहचान, समय पर एवं उचित उपचार, तथा आवश्यकता पड़ने पर पेरिटोनियल डायलिसिस या कंटीन्यूअस रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी के लिए निकटतम विशेषज्ञ केंद्र में समय पर रेफरल को सक्षम बनाना था। इस दौरान एम्स के कार्यकारी निदेशक अशोक जिंदल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों में किडनी रोगों की बढ़ती समस्या पर प्रकाश डालते हुए इसे तेजी से बदलती जीवनशैली, फास्ट फूड के अधिक सेवन से जोड़ा तथा रोकथाम पर विशेष बल दिया। डॉ. अभिजीत शाह ने इसे भावी बाल रोग विशेषज्ञों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

वहीं डॉ. अनिल कुमार गोयल, विभागाध्यक्ष, बाल रोग विभाग ने कहा कि बच्चों में किडनी की कई बीमारियां समय पर पहचान होने पर पूर्णतः ठीक हो सकती हैं, और आपातकालीन स्तर पर शीघ्र हस्तक्षेप से तीव्र किडनी क्षति को क्रॉनिक रोग में बदलने से रोका जा सकता है। इस कार्यक्रम को आधारशिला ट्रस्ट, नई दिल्ली का सहयोग प्राप्त हुआ, जो देशभर में डायलिसिस नेटवर्क को सशक्त बनाने के लिए कार्यरत है।

शुक्ल की स्थिति अत्यंत गंभीर

एम्स प्रबंधन ने मेडिकल बुलेटिन जारी कर बताया कि प्रख्यात हिंदी साहित्यकार एवं भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित विनोद कुमार शुक्ल वर्तमान में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती हैं। गंभीर श्वसन रोग एवं इंटरस्टिशियल लंग डिजीज के मरीज शुक्ल को टाइप-2 मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप सहित कई सह-रोग हैं। वर्तमान में उनका उपचार गंभीर निमोनिया के लिए किया जा रहा है, जो प्ल्यूरल इफ्यूजन एवं सिस्टमिक संक्रमण से जटिल हो गया है। उन्हें ओरल कैंडिडायसिस के लिए भी उपचार दिया जा रहा है। उनकी स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है।

मारपीट कर दांत तोड़ा, केस दर्ज

रायपुर। खम्हारडीह पुलिस ने मारपीट के मामले में केस दर्ज किया है। प्रार्थी संतराम यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 21 दिसंबर की रात करीब 11 बजे वीआईपी क्लब के पास आरोपी हेमंत साहू, छोटू वर्मा एवं अन्य ने उसके साथ झगड़ा करते हुए मारपीट की। इस मारपीट में उसका एक दांत टूट गया। पुलिस ने मामले में बीएनएस: 296, 115-2, 117-2, 351-3, 3-5 के तहत अपराध दर्ज किया है।

पल्लवी बनीं प्रदेश महिला विंग की उपाध्यक्ष

रायपुर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की छत्तीसगढ़ इकाई ने अपने संगठन का विस्तार करते हुए एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की घोषणा की है। कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी और छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला विंग की अध्यक्ष मधु अरोड़ा ने रायपुर निवासी पल्लवी मनु देवगौड़ा को प्रदेश महिला विंग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की घोषणा के दौरान कार्यक्रम में मुख्य रूप से कैट के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद, जितेंद्र दोशी, जयराम, महिला विंग की अध्यक्ष मधु अरोड़ा, महामंत्री पिंकी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रेरणा भट्ट सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

फर्जी फर्म का रैकेट संचालित करने के आरोप में दो कारोबारी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डीजीजीआई की टीम ने राजधानी के दो कारोबारियों को फेक फर्म रैकेट संचालित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। डीजीजीआई ने चार दिन पूर्व 19 दिसंबर को मैग्नेटो माल में छापे की कार्रवाई की थी। फर्जी फर्म रैकेट संचालित होने की पुष्टि के बाद कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया।

डीजीजीआई ने कारोबारी अमन कुमार अग्रवाल और विक्रम मंधानी को फर्जी फर्मों का रैकेट चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। डीजीजीआई कारोबारी के मेसर्स प्रेम इंटरप्राइजेस में छापे की कार्रवाई की थी। तलाशी के दौरान कारोबारी ठिकाने से 20 सिम कार्ड जब्त किए थे, जिनका उपयोग फर्जी जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करने में किया गया था। इन फर्जी फर्मों से जुड़े ई-मेल आईडी विक्रम मंधानी द्वारा संचालित किए जा रहे थे और उनके पास 50 से अधिक फर्जी फर्मों के जीएसटी लॉगिन-आईडी और पासवर्ड पाए गए। इन फर्जी फर्मों से बिना वास्तविक वस्तुओं की आपूर्ति के इनपुट टैक्स क्रेडिट पास करने के लिए इनवॉइस जारी किए गए थे।

■ डीजीजीआई ने की कार्रवाई

बगैर माल आपूर्ति के काटा बिल

डेटा की प्रारंभिक जांच से पता चला कि लगभग 48 करोड़ रुपए के मूल्य और लगभग 9 करोड़ रुपए के जीएसटी वाले इनवॉइस बिना वास्तविक वस्तुओं की आपूर्ति के जारी किए गए थे। उपरोक्त आंकड़े और बढ़ने की संभावना है। डीजीजीआई के आरोपों के मुताबिक, अमन कुमार अग्रवाल को पहले भी स्टेट जीएसटी द्वारा इस वर्ष 10 जून को जीएसटी चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है।

लाइव इवेंट

भारतीय ज्ञान प्रणाली पर चलित और स्थिर मॉडल प्रदर्शनी में दिखाया नवाचार

रायपुर। भारतीय ज्ञान परंपरा असाधारण रूप से समृद्ध और अनोखी है इसमें जीवन और विज्ञान सामान्य और अलौकिक कर्म और धर्म साथ ही भोग और त्याग के बीच एक उल्लेखनीय संतुलन मौजूद है। इसी कड़ी में श्री शंकराचार्य महाविद्यालय में नवाचार का परिचय देते हुए भारतीय ज्ञान प्रणाली पर प्रदर्शनी का आयोजन किया है। कार्यक्रम में डॉ राजीव प्रकाश डायरेक्टर आईआईटी, श्री गंगाजली शिक्षण समिति के चेयरमेन आईपी मिश्रा, अध्यक्ष डॉ जया अभिषेक मिश्रा, डॉ ओंकार लाल श्रीवास्तव विभाग अध्यक्ष गणित विभाग शासकीय कमला देवी महाविद्यालय राजनांदगांव, गणित विभाग के डीन राजनांदगांव बायोडायवर्सिटी के अध्यक्ष डॉ पीबी देशमुख, डॉ अजय वर्मा एसएसआईटी हेड मैकेनिकल डिपार्टमेंट एवं रिसर्च हेड उपस्थित रहे।

छात्रों की बौद्धिक प्रखरता निखारने का बेहतर मंच

श्री गंगाजली शिक्षण समिति के चेयरमेम आईपी मिश्रा ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज हम टेक्निकल युग में जी रहे हैं और उसका कांबिनेशन शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक है। जया अभिषेक मिश्रा ने प्रदर्शनी को छात्रों की बौद्धिक प्रखरता निखारने का बेहतर मंच बताया। आयोजन के दूसरे दिन मुख्य अतिथि डॉ एम एस गुप्ता संयुक्त संचालक रुसा, डॉ प्रशांत श्रीवास्तव विभाग अध्यक्ष जियोलॉजी, डॉ सुचित्रा शर्मा वरिष्ठ प्राध्यापक शास. वी.वाय.टी. पीजी कॉलेज दुर्ग, श्रीलेखा वेरूलकर डायरेक्टर एम.जे. कॉलेज, डॉ. अल्का मेश्राम प्राचार्य और शिखा श्रीवास्तव आई क्यू ए सी कोआडिनेटर शास. महाविद्यालय वैशाली नगर द्वारा प्रदर्शनी देखकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुषमा दुबे ने किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अर्चना झा ने अपने उद्बोधन में कहा की आईपीएस पर सेमिनार में पहली बार छात्रों द्वारा चलित एवं स्थिर मॉडल बनाया गया है जो वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है। प्रो. राजीव प्रकाश ने प्रदर्शनी देखकर कहा कि यह एक अच्छी पहल है भारतीय ज्ञान परंपरा की शुरुआत का यह प्रयास सराहनीय है इससे सीखने का अवसर मिलता है।

सिटी इवेंट

'ऊर्जा' खेल उत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई शारीरिक-मानसिक शक्ति

रायपुर। कृष्णा पब्लिक स्कूल सरोना में एक सप्ताह तक चला वार्षिक खेल उत्सव "ऊर्जा" संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खेलो इंडिया–बढ़ो इंडिया थीम के अनुरूप कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें 12 विभिन्न खेल विधाओं में एकल एवं समूह प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। फाइनल प्रतियोगितियों के अवसर पर सुबह 8 बजे बतौर मुख्य अतिथि रविवि के शारीरिक शिक्षा विभाग के डीन राजीव चौधरी शामिल हुए। मार्च पास्ट में विद्यार्थियों को चार हाउस रवींद्रनाथ टैगोर, चंद्रशेखर आजाद, सुभाषचंद्र बोस एवं भगत सिंह में विभाजित किया गया। मार्च पास्ट की सलामी मुख्य अतिथि राजीव चौधरी, स्कूल संचालक डॉ. राकेश मिश्रा, प्राचार्या डॉ. अर्चना मिश्रा, एकेडमिक डायरेक्टर अर्पणा त्रिपाठी एवं एडिशनल प्रिंसिपल शुभम मिश्रा को दी गई।

ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी ने इंडोर स्टेडियम में 'अनिश्चितता से मुकाबला' विषय पर किया मार्गदर्शन

बच्चे अपनी तकलीफें मशीन को बताने लगेंगे तो वे आपसे क्यों पूछेंगे, रिश्ते बोलने-सुनने से नहीं, बल्कि वाइब्रेशन से बनते हैं

सालभर के भीतर भारत में डिप्रेशन के मामलों में बेहद बढ़ोतरी हुई है। इसकी सबसे बड़ी वजह हमारे साथ रहने वाला मोबाइल है। डिप्रेशन की समस्या बच्चों में अधिक देखने को मिल रही है, क्योंकि उनका मोबाइल उपयोग इस कदर बढ़ गया है कि उनके जीवन से एकाग्रता खत्म हो चुकी है और एंजायटी जैसी समस्याएं उत्पन्न होने लगी हैं। मौजूदा समय में हर वर्ग का व्यक्ति रात में सोने से पहले लगभग एक घंटे तक मोबाइल का उपयोग करता है।

मशीन के पास वाइब्रेशन नहीं : शिवानी दीदी ने कहा कि हमें मोबाइल के अधिक उपयोग से बचना चाहिए। आने वाला समय हमें कई चीजों का गुलाम बनाने वाला है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर कहा कि यदि बच्चे अपनी समस्याएं और तकलीफें मशीन को बताने लगेंगे तो वे आपसे क्यों पूछेंगे। उन्होंने कहा कि रिश्ते बोलने और सुनने से नहीं, बल्कि वाइब्रेशन से बनते हैं और मशीन के पास वाइब्रेशन नहीं होता।

रायपुर। लोगों को लगता है कि दिनभर तो मोबाइल हाथ में नहीं आया, अब रात में फुर्सत मिली है तो इसका उपयोग कर लेते हैं, जो बिल्कुल गलत है। जब हम सोने जा रहे हों तो खुद को पूरी तरह शांत करना चाहिए। मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से हमारी सकारात्मक शक्ति नष्ट हो रही है। ये कहना है ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी का, जिन्होंने सोमवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज तथा बिजनेस एंड इंडस्ट्री विंग के संयुक्त तत्वावधान में 'अनिश्चितता से मुकाबला' विषय पर लोगों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के माध्यम से शिवानी दीदी ने जीवन प्रबंधन, मानसिक स्थिरता और आत्मशक्ति से जुड़े गहन संदेश साझा किए। उन्होंने कार्यक्रम की शुरुआत लोगों के मन को शांत कराते हुए की। शिवानी दीदी ने कहा कि हमें हमेशा खुद से कहना चाहिए कि मेरी आत्मा शक्तिशाली है, मैं स्वस्थ हूं और मेरे रिश्ते सभी से अच्छे हैं। अच्छा बोलें और अच्छा सुनें, क्योंकि संकल्प से ही सृष्टि बनती है। उन्होंने कहा कि हम हर काम दिमाग और मन से करते हैं, लेकिन उनकी सफाई करना भूल जाते हैं। इसी कारण हमारी वाइब्रेशन कमजोर हो जाती है। जैसे हम रोज घर और शरीर की सफाई करते हैं, वैसे ही मन और दिमाग की सफाई भी बेहद जरूरी है।

कम बोलें, धीरे बोलें और मीठा बोलें

शिवानी दीदी ने उपस्थितजनों से कहा कि कम बोलें, धीरे बोलें और मीठा बोलें। इसी में जीवन का सुख समाया हुआ है। रास्ते में किसी ने गाड़ी को ठोकर मार दी तो गुस्सा न करें। हमारी खुशी गुम न हो। गाड़ी तो मरम्मत करके ठीक की जा सकती है, किंतु गुस्से के कारण जो स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचेगा, उसकी भरपाई नहीं हो पाएगी।

ये रहे उपस्थित

बाल कलाकारों ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। कु. शारदा नाग ने अपनी सुमधुर आवाज में स्वागत गीत प्रस्तुत कर भावविभोर कर दिया।शिवानी दीदी को सुनने के लिए लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, महापौर मीनल चौबे, नान के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, चैंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी, पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता, बीके आशा, बीके सविता सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

अपना कंटेंट बदलेंगे, सेहत सुधरेगी

जीवनशैली को लेकर शिवानी दीदी ने कहा कि जो लोग सोने से पहले फोन का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें आठ घंटे की नींद के बाद भी सोने का मन करता है। आज 20 साल के बच्चों में भी डिप्रेशन और हार्ट अटैक जैसी समस्याएं होने लगी हैं, जबकि पहले ऐसा नहीं था। भारत में बीते एक साल के भीतर शारीरिक तकलीफें बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि शाम को घर आते ही अपना फोन घर के किसी एक कोने में रख दें। इसकी शुरुआत करें और एक महीने में घर और सेहत में बदलाव देखें। यदि आप एक महीने तक सोने से एक घंटे पहले फोन का उपयोग कम कर देते हैं तो मन की शांति मिलेगी और ब्लडप्रेशर भी सामान्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि लोग सुबह उठते ही समाचार और मोबाइल देखने लगते हैं, जो गलत है। सुबह उठने के कम से कम एक घंटे बाद ही मोबाइल का उपयोग करना चाहिए।

फोन देखने से मन का शोर बढ़ेगा

शिवानी दीदी ने कार्यक्रम में फोन के दुष्परिणामों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि फोन एक अच्छी चीज है, लेकिन इसका अत्यधिक उपयोग सेहत को नुकसान पहुंचा रहा है। फोन देखने से मन का शोर बढ़ता चला जाता है। कई लोग तनाव दूर करने के लिए भी फोन देखते हैं, जो बिल्कुल गलत है। मोबाइल की स्क्रीन हमारी आंतरिक शक्ति को कमजोर करती है। आज के समय में हम आधा मिनट भी फोन को खाली नहीं छोड़ते। बच्चे छोटी उम्र में ही इसके आदी बन चुके हैं। जब तक हम मोबाइल की गुलामी से मुक्त नहीं होंगे, तब तक मन की शांति संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि फोन का उपयोग केवल काम के लिए ही करें।

भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विशेषज्ञों ने किया वैचारिक मंथन

रायपुर। आदर्श कॉलेज, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय और वीतराग रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय संगोष्ठी का विषय"भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का सामंजस्य, समग्र एवं परिवर्तनकारी उच्च शिक्षा की दिशा में प्रयास किस तरह से बढ़ा है। इसको लेकर वैचारिक मंथन का सिलसिला चला। संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता राज्य बाल अधिकार आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने की। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा के नैतिक, सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के साथ जोड़ते हुए बाल-केंद्रित एवं मूल्य-आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य व्याख्यान डॉ. अभा दुबे, उप-प्राचार्य, कोलंबिया कॉलेज द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसमें उन्होंने एनईपी-2020 की परिकल्पना के अनुरूप बहुविषयक, समग्र एवं मूल्य-आधारित शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका पर प्रकाश डाला।

आधुनिक संदर्भों पर अपने विचार साझा किए

तकनीकी सत्रों में देश के प्रतिष्ठित विद्वानों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. राजीव चौधरी, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला तथा अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परंपरा और अनुभव के समन्वय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। आयोजित सत्र में डॉ. आलोक कुमार सिंह और डॉ. अश्विनी कुमार राय ने अंतर्विषयक शिक्षा, सतत विकास एवं पारंपरिक ज्ञान के आधुनिक संदर्भों पर अपने विचार साझा किए।

एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि सिद्ध हुई

संगोष्ठी के दौरान शोध-पत्र प्रस्तुति सत्र भी आयोजित किए गए। जिनमें देश के विभिन्न शहरों से आए शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। उत्कृष्ट शोध कार्यों के लिए श्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार प्रदान करते हुए विद्वानों को सम्मानित भी किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. बंश गोपाल सिंह, पूर्व कुलपति ने समापन उद्बोधन में भारतीय ज्ञान परंपरा, आधुनिक शैक्षिक सुधारों के समन्वय को राष्ट्र निर्माण की दिशा में अत्यंत आवश्यक बताया।

450 विद्यार्थियों ने 180 मॉडल से दिखाई विज्ञान की रचनात्मक झलक

रायपुर। महावीर उच्च माध्यमिक शाला गुढ़ियारी की ओर से दो दिवसीय विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। यहां विद्यालय के 450 विद्यार्थियों द्वारा 180 मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शित मॉडल प्रदूषण नियंत्रण, स्मार्ट सिटी, स्वास्थ्य, खेती में ड्रिप सिस्टम, सौर ऊर्जा सहित विभिन्न विषयों पर आधारित रहे। विज्ञान मेले की प्रभारी कल्पना बंसोड़े, जया साहू, शोभा दीवान, श्वेता कौशिक, उमेश्वरी डोंगर एवं हेमा चौरसिया के मार्गदर्शन में मॉडल साइंस एग्जीबिशन का आयोजन हुआ। निर्णायक मंडल द्वारा सारगर्भित एवं उत्कृष्ट मॉडलों का चयन किया गया, जिन्हें विद्यालय की ओर से पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्राचार्य ने सभी निर्णायकों, अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय समिति के अध्यक्ष विजय सिंह जडेजा, उपाध्यक्ष सत्यनारायण काबरा, मुख्य निर्णायक रीता संभरकर एवं संभवी विश्वकर्मा व विद्यालय के प्राचार्य तपन कुमार चौधरी, पल्लवी दुबे एवं विद्यालय के विशिष्ट शिक्षकों की उपस्थिति में मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ किया गया।

साइंस कॉलेज मैदान में स्वदेशी मेला, डिप्टी सीएम साव हुए शामिल

भांगड़ा, झूमर और गिद्दा की प्रस्तुति पर झूमे लोग, सिख समाज ने मंच पर मचाई धूम, शौर्य प्रदर्शन ने किया आकर्षित

रायपुर। पंजाबी गीत-संगीत पर भांगड़ा, झूमर और गिद्दा की शानदार प्रस्तुति ने लोगों को झूमने के लिए मजबूर किया। छत्तीसगढ़ सिख काउंसिल से जुड़े प्रतिभागियों ने मेले में सोमवार की रात उत्सव का हिस्सा बनने के लिए पहुंचे कलाप्रेमियों के बीच धूम मचाई। मंजे हुए कलाकारों की तरह भांगड़ा की शानदार प्रस्तुति के दौरान लोगों को पंजाबी कला और वहां की संस्कृति का एहसास कराने का प्रयास किया। समाज के महिला विंग के मार्गदर्शन में दी गई प्रस्तुति से दर्शक दीर्घा में मौजूद हर वर्ग के लोगों से वाहवाही भी लूटी। प्रस्तुति के दौरान समाजजनों ने उनकी इस आकर्षक प्रस्तुति को कैमरे में कैद किया। कुछ इसी तरह का माहौल सोमवार को साइंस कॉलेज प्रांगण में जारी स्वदेशी मेले में नजर आया। इसे उत्साह से सजाने का दायित्व प्रस्तुति से जुड़े प्रतिभागियों ने भी बखूबी निभाया।

पंजाबी व्यंजनों के स्टाल्स पर उमड़ी भीड़

इसके बाद भाई तारू सिंह फाउंडेशन के शौर्य प्रदर्शन दल से जुड़े बच्चों ने लाठी, तलवार और गतका चालन करते हुए मंच पर शौर्य का प्रदर्शन किया। इसे देखकर लोग चकित हुए और प्रदर्शन को देखने के बाद प्रतिभागियों की हौसला अफजाई में कोई कसर नहीं छोड़ी। इससे स्वदेशी मेले के सांस्कृतिक मंच पर ऐसी छटा बिखरी कि लोग खुद को झूमने से भी नहीं रोक पाए। सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ सिख काउसिंल के महिला विंग द्वारा पंजाबी समाज के सांस्कृतिक मंच का प्रतिनिधित्व मनमोहक प्रस्तुतियों से किया। साथ में पंजाबी व्यंजनों में मक्के की रोटी और सरसों का साग ही नहीं, छोले-भटूरे, कुलचे, चाय और ठंड में लोगों को पकौड़े का स्वाद लेने का अवसर दिया।

स्टाल्स पर तलाश रहे पसंद और जरूरत का सामान

मंचीय प्रस्तुतियों की श्रृंखला में दूध मोगरा लोककला मंच से जुड़े पीसी लाल यादव द्वारा शानदार छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत की प्रस्तुति से लोगों को आंचलिक कला से भी जोड़ने का प्रयास किया। सर्द रात में भी इस ग्रुप की प्रस्तुति ने लोगों को उत्साह से सराबोर किया। लोग गीत-संगीत की महफिल में रात 10 बजे तक रमे रहे। वहीं एक बड़ा वर्ग मेले में सजाए गए स्टाल्स पर अपनी जरूरत और पसंद का सामान जुटाने में लगा रहा। इससे स्वदेशी मेला हर दिन उत्साह से सज रहा है। जहां लोग अपनी सुविधा के अनुसार परिवार के साथ आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं।

मेले में शामिल हुए डिप्टी सीएम, स्टाल्स भी देखे

मेले में बतौर मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम अरुण साव शामिल हुए। लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए, तभी देश आगे बढ़ेगा। अध्यक्षता कर रहे शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने स्वदेशी मेले की 23 वर्षों से निरंतर सफलता पर आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने मेला परिसर का भ्रमण करते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। मेले में उन्होंने महिलाओं और युवाओं द्वारा तैयार किए गए स्वदेशी उत्पादों के संदर्भ में उनसे जानकारी लेने के साथ संवाद किया।

समाज लाइव

सर्दी के मौसम में सिख समाज ने लगाया गर्म दूध का लंगर

रायपुर। धर्म, सत्य और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान देने वाले सिख गुरुओं की अमर परंपरा को स्मरण किया। चार साहिबजादों की शहादत सप्ताह में छत्तीसगढ़ सिख समाज ने सोमवार को सर्दी के मौसम में लोगों के लिए गर्म दूध का लंगर लगाया। यह लंगर केवल सेवा नहीं, बल्कि उन महान बलिदानों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने भारत की आत्मा को अक्षुण्ण रखने के लिए हंसते हुए प्राण न्योछावर कर दिए। गर्म दूध के लंगर का लाभ सैकड़ों लोगों ने लिया। लंगर वितरण के दौरान समाज के सेवादारों ने उपस्थित लोगों के बीच सेवा दी। छत्तीसगढ़ सिख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों और माता गुजरी का बलिदान केवल सिख समाज ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतवर्ष के लिए प्रेरणास्रोत है।

धर्म और देश की अस्मिता से नहीं किया समझौता

उन्होंने बताया कि 22 दिसंबर 1704 को चमकौर के मैदान में असंख्य मुगल सेना के सामने साहिबजादा अजीत सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह ने धर्म और मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति प्राप्त की। वहीं 27 दिसंबर 1704 को सरहिंद में छोटे साहिबजादों को इस्लाम स्वीकार न करने पर दीवार में जीवित चुनवा दिया गया, लेकिन उन्होंने धर्म और देश की अस्मिता से समझौता नहीं किया। शहादत सप्ताह के इस आयोजन में छत्तीसगढ़ सिख समाज के संरक्षक देवेंद्र सिंह सिब्बल, नरेंद्र सिंह हरगोत्रा, स्वर्ण सिंह चावला, कुलवंत सिंह खालसा, मनजीत सिंह भाटिया, जागीर सिंह बावा, देवेंद्र सिंह चावला, रणजीत सिंह खनूजा प्रमुख रूप से शामिल हुए।

आराधना

सालासर धाम में श्रीगढ़ी महासर माता का सप्तम वार्षिकोत्सव संपन्न

रायपुर। सालासर धाम श्रीगढ़ी महासर माता का सप्तम वार्षिकोत्सव बड़े श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ श्रीगढ़ी महासर माता परिवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर महासर धाम से पधारे पुजारी द्वय संजय दत्त शास्त्री एवं प्रवीण शास्त्री का आशीर्वाद भक्तों को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में पूरे छत्तीसगढ़ से महासर माता परिवार के श्रद्धालु सपरिवार उपस्थित हुए और सवामणी का प्रसाद व ज्योत अर्पित कर मातारानी का आशीर्वाद लिया। सोनीपत के प्रसिद्ध भजन गायक मयंक अग्रवाल एवं भिलाई की प्रसिद्ध भजन गायिका ममता अग्रवाल के मधुर भजनों पर भक्तजन नाचते-झूमते नजर आए और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर कोलकाता से आए कारीगरों द्वारा सजाए गए मातारानी के भव्य दरबार की सभी भक्तों ने मुक्तकंठ से सराहना की। महासर धाम के प्रवीण शास्त्री ने सभी श्रद्धालुओं से वर्ष में कम से कम एक बार महासर धाम परिवार के साथ यहां आने का आव्हान किया। माता के दरबार में उपस्थित सभी भक्तों ने अपने परिवार की खुशहाली, सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मुल्कराज शर्मा, श्रीगढ़ी महासर माता परिवार का विशेष योगदान रहा।

धर्म लाइव

सनातन संस्कृति और वैदिक विचारधारा पर आज होगा आचार्य योगेश का वक्तव्य

रायपुर। शंकर नगर स्थित विमतारा सभागार में मंगलवार को हिंदू स्वाभिमान की गर्जना सुनाई देने वाली है। आचार्य योगेश भारद्वाज का ओजस्वी व्याख्यान इस आयोजन का आकर्षण होगा। वैदिक सत्संग समिति के तत्वावधान में आचार्य भारद्वाज व्याख्यान की श्रृंखला में संबोधित करेंगे। इसका शुभारंभ शाम 5.30 होगा एवं 8 बजे तक चलेगा। समिति प्रमुख राकेश दुबे ने बताया कि यह आयोजन हिंदू सनातन संस्कृति और वैदिक विचारधारा की पुनर्स्थापना का सशक्त माध्यम बनेगा। शहर की प्रबुद्ध और राष्ट्रवादी सोच से जुड़े लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे। यह आयोजन स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस के अवसर पर होगा। 23 दिसंबर को स्वामी श्रद्धानंद की हत्या की गई थी। लगभग सौ वर्ष बीत जाने के बाद भी देश के सामाजिक प्रश्न और साम्प्रदायिक चुनौतियां आज भी व्यापक रूप से मौजूद हैं।

युवा पीढ़ी को वैचारिक रूप से सशक्त बनाना ही उद्देश्य

आचार्य भारद्वाज हिंदू समाज की वर्तमान चुनौतियों, वैदिक राष्ट्रवाद, भारतीय सभ्यता की धरोहर और भविष्य की सांस्कृतिक दिशा पर मार्गदर्शन देंगे। वैदिक सत्संग समिति का उद्देश्य युवा पीढ़ी को वैचारिक रूप से सशक्त बनाना और वैदिक चेतना से जोड़ना है। सभागार में प्रवेश सभी के लिए खुला रहेगा। उपस्थित को प्रत्यक्ष संवाद, चर्चा एवं प्रश्न पूछने का अवसर भी दिया जाएगा। यह आयोजन वैचारिक और सांस्कृतिक चेतना में नई ऊर्जा का संचार करेगा। इस आयोजन को लेकर युवाओं में भी उत्साह है। व्याख्यान के माध्यम से युवाओं को वैदिक सत्संग समिति ने वैचारिक मंथन से जोड़ने के लिए पहल की है।

● आयुर्वेदिक कॉलेज कैंपस में पांच दिन का मेगा हेल्थ कैंप, समापन अवसर पर शामिल हुए राज्यपाल रमेन डेका

घुटने-कमर दर्द से मिली मुक्ति, मैग्नेट ट्रीटमेंट से हथेली और उंगलियों में होने लगी हरकत

आयुर्वेदिक कॉलेज परिसर में पांच दिवसीय मेगा हेल्थ कैंप का सोमवार को भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर तकलीफ से निजात मिलने पर घुटनों और कमर दर्द से मुक्ति मिलने पर जहां पीड़ितों ने राहत की सांस ली। वहीं दशहरे के दिन हाथ में लगी चोट से सूजन कम हुई। पीड़ित के अनुसार, पहले तो प्लास्टर बांधकर घूमने की समस्या का सामना किया, लेकिन इसके बाद भी हथेली की सूजन कम नहीं होने से हर काम के लिए दूसरों के भरोसे रहना पड़ता था।

रायपुर। मेगा कैम्प में रविवार को दोस्तों के बताने पर आया, जहां मैग्नेट से किए गए ट्रीटमेंट से अब हथेली की सूजन कम होने के साथ ही उंगलियों में हरकत भी शुरू हो गई है। यह बताते हुए उसके चेहरे की चमक संतोषजनक थी। उन्होंने पश्चिम क्षेत्र के विधायक एवं आयोजन के सूत्रधार राजेश मूणत एवं उनकी टीम को इस आयोजन के लिए साधुवाद दिया। सोमवार को समापन समारोह में राज्यपाल रमेन डेका और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस प्रमुख रूप से शामिल हुए।

आयोजन के लिए जितनी तारीफ की जाए, कम होगी

महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि वे हर साल इस कैंप में आते रहे हैं। लोगों को इंतजार रहता था कि राजेश मूणत कब मेगा हेल्थ कैंप लगाएंगे? गरीबों को इलाज के लिए परेशानी होती है, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार की वजह से लोगों को मदद मिल रही है। हजारों लोगों ने यहां आकर जांच और इलाज का लाभ लिया। इसके लिए आयोजक की जितनी भी तारीफ की जाए, वह कम होगी, क्योंकि वे जिस काम को करते हैं, उसमें जान लगा देते हैं। रायपुर के बाहर से आए मरीज और इलाज कराने के बाद गए। मानव सेवा ही सही सेवा है। डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया गया है। यह कार्यक्रम भगवान की दया से हो रहा है। गरीबों की सेवा करना भगवान की पूजा करना है।

राज्यपाल ने सराहा

समारोह में कैंप के दौरान सेवा देने वाले डॉक्टरों और समाजसेवी संस्थाओं का राज्यपाल द्वारा सम्मान भी किया गया। इस कड़ी में राज्यपाल श्री डेका ने अपने कई अनुभव साझा किए। उन्होंने मंच से कहा कि इस भव्य हेल्थ कैंप में शामिल होकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है, क्योंकि यह कैंप सामाजिक उत्सव की मिसाल है। इस मेगा हेल्थ कैंप के लिए विधायक राजेश मूणत को विशेष रूप से बधाई और धन्यवाद देता हूं। सभी डॉक्टरों और कैंप में सेवा देने वालों को बधाई और धन्यवाद देता हूं। उन्होंने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व को भी सराहा। अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचे, यही पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेईजी का सपना था।

पीड़ित ने साझा किया अपना अनुभव

भिलाई से आए नरेश पॉल ने बताया कि एक घटना के बाद से कमर दर्द और पैरों में हलचल नहीं होने से जीवन बेरंग हो गया था। बिना सहारे के खड़े होना दूभर था। परिवार के लोग भी मेरी वजह से काफी परेशान थे। मेगा कैंप के बारे में जानकारी मिलने पर परिवार के लोग लेकर आए। यहां एक्यूप्रेशर से किए गए ट्रीटमेंट से काफी राहत मिली। अब कमर दर्द से राहत मिलने के साथ ही पैरों में हलचल शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि दो दिनों के ट्रीटमेंट से अपने पैरों पर फिर से चलने में सक्षम हो पाया हूं।

स्वस्थ जीवन जीने की जगी आस

वहीं सुरजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि दशहरा के समय एक दुर्घटना में एक हाथ की हथेली में गंभीर चोट आई थी। प्लास्टर लगाने और खुलने के बाद भी हथेली की सूजन कम नहीं होने से हथेली काम नहीं करता था। उंगलियों में किसी प्रकार का मूवमेंट नहीं था। कैम्प में रविवार को दोस्तों के कहने पर आया तो मैग्नेट ट्रीटमेंट की सलाह दी गई। प्रक्रिया करने के बाद पहले दिन के ट्रीटमेंट में पीड़ा और हथेली की सूजन कम हुई। अब हाथों की उगलियों में हरकत शुरू होने से फिर से स्वस्थ जीवन जीने की आस जगी है।

65 हजार से ज्यादा मरीजों को मिला लाभ

आयोजक श्री मूणत ने बताया कि पांच दिनों में 65000 से अधिक मरीजों को निशुल्क परामर्श, जांच, उपचार, दवाइयों और दिव्यांग सहायता का लाभ मिला, जो अपने आप में ऐतिहासिक है। कई मरीजों ने सीधे आकर जांच कराई। जरूरतमंद मरीजों को स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स की सेवाएं मिलने से लोगों का भरोसा भी लगातार किए जा रहे कैंप के प्रति बढ़ा है। सभी सहयोगी संस्थाओं और समूहों को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए साधुवाद देते हुए आगामी वर्ष इस कैंप को और सुविधायुक्त बनाने का संकल्प लेते हुए समापन किया।

भागवत कथा में श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह में भक्तों ने बरसाए फूल

रायपुर। रविग्राम स्थित चाणक्य गुरुकुल स्कूल परिसर में जारी श्रीमद भागवत कथा में भागवताचार्य पं. मनोज शुक्ला ने आज कन्हैया के महर्षि संदीपनी आश्रम उज्जैन में विद्या ग्रहण, कालयवन का वध, उद्धव गोपी संवाद, उद्धव द्वारा गोपियों को अपना गुरु बनाना, कंस वध, द्वारका की स्थापना एवं रुक्मणी विवाह के प्रसंग की संगीतमय कथा का गुणगान किया। भगवान के महारास में गाए जाने वाले गोपी गीत ठाकुरजी के लिए जो भाव से गाता है, वह भव पार हो जाता है। महाराज ने कहा कि उन्हें वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती है। महारास में भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों का आव्हान किया और महारास लीला द्वारा जीवात्मा परमात्मा का मिलन हुआ। भक्तों को बताया कि अक्षय तृतीया पर्व और रामनवमी पर्व मे गांव-गांव में लोग अपने बच्चों का विवाह बहुत कम उम्र में करते हैं, जो सही नहीं है, सही उम्र में व्यस्क होने पर विवाह करना चाहिए, ताकि वैवाहिक जीवन सुखमय बिता सकें।

इसलिए रहती है जीव के अंदर अपारशक्ति

कथा में भागवताचार्य ने बताया कि रुक्मणी जब विवाह के लायक हो गईं, तभी उनका विवाह हुआ। रुक्मणी साक्षात लक्ष्मी स्वरूपा और श्रीकृष्ण साक्षात भगवान विष्णु ही हैं।

हर अवतार में हर युग में दोनों की जोड़ी हमेशा रही है। भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणी के विवाह की झांकी ने सभी को खूब आनंदित किया। झांकी में श्रीकृष्ण रुक्मणी की वरमाला पर जमकर फूलों की बरसात हुई। आचार्य ने कहा कि जो भक्त प्रेमी भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणी के विवाह उत्सव में शामिल होते हैं, उनकी वैवाहिक संबंधित समस्या भी दूर हो जाती है। उन्होंने कहा कि जीव परमात्मा का अंश है, इसलिए जीव के अंदर अपारशक्ति रहती है। यदि कोई कमी रहती है, वह मात्र संकल्प की होती है।

तुलसी पूजन से शुद्ध होता है वातावरण परिवार में बढ़ता है शांति और सद्भाव

रायपुर। भारतीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और पारिवारिक संस्कारों के पुनर्जागरण के उद्देश्य से संतश्री की प्रेरणा से तुलसी पूजन दिवस का आयोजन मरीन ड्राइव तेलीबांधा में श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं, बच्चों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद, दीप प्रज्ज्वलन और भजन-कीर्तन से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। मुख्य अतिथि महंत वेदप्रकाशाचार्य महाराज, लक्ष्मीनारायण मंदिर रामकुंड ने कहा कि आज के प्रदूषित और तनावपूर्ण वातावरण में तुलसी पूजन स्वस्थ जीवन और पर्यावरण संतुलन का प्रभावी उपाय है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर में तुलसी का पौधा और उसका नियमित पूजन वातावरण को शुद्ध करने के साथ परिवार में शांति और सद्भाव बढ़ाता है। विशिष्ट अतिथि भगवती शर्मा, सामाजिक समरसता प्रमुख, विश्व हिंदू परिषद ने तुलसी को आने वाली पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम बताया। कार्यक्रम में तुलसी के औषधीय गुणों और स्वास्थ्य लाभों पर भी प्रकाश डाला गया। बच्चों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही। अंत में उपस्थित जनसमूह ने तुलसी रोपण व नियमित पूजन का संकल्प लिया और "संस्कृति बचाओ, पर्यावरण बचाओ" संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया।

कार्नर न्यूज

बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, हर प्रस्तुति से दिया संदेश

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दिखी भारत की विविधता, दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

रायपुर। विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन 'महारत्न' कंपनी पॉवरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पॉवरग्रिड) द्वारा नया रायपुर स्थित मे-फेयर रिसॉर्ट में "अंतर-क्षेत्रीय सांस्कृतिक महोत्सव एवं हस्तकला प्रदर्शनी" का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य पॉवरग्रिड के कर्मचारियों और उनके परिवारजनों के बीच भारतीय कला, संस्कृति, रचनात्मकता और आपसी सौहार्द्र को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. आरके त्यागी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पॉवरग्रिड द्वारा दीप जलाकर किया गया। इस अवसर पर पॉवरग्रिड के वरिष्ठ अधिकारी, महिला समिति की सदस्य तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे। स्वागत संबोधन विभय कुमार, कार्यपालक निदेशक (पश्चिमी क्षेत्र-1) ने दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान पॉवरग्रिड के विभिन्न क्षेत्रों से आए कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने लोकनृत्य, शास्त्रीय संगीत, नाटक और गीतों के माध्यम से भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत की सुंदर झलक प्रस्तुत की, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के साथ आयोजित हस्तकला प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें पेंटिंग्स, कढ़ाई-बुनाई और अन्य हस्तशिल्प कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में ऐसे आयोजनों को टीम भावना और सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त करने वाला बताया। अंत में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए और धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

तरंगिणी थीम पर वार्षिकोत्सव जल संरक्षण का दिया संदेश

ज्ञान गंगा एजुकेशनल एकेडमी रायपुर में "तरंगिणी" थीम पर वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और समाज में जल संरक्षण व संवर्धन के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। जल को जीवन का आधार बताते हुए इस उत्सव के माध्यम से प्रकृति, नदियों और मानव जीवन के गहरे संबंध को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए दर्शाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सन 2007 की टॉपर छात्रा पूजा रामनानी के पिता किशन रामनानी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सन 2010 के टॉपर मयंक सिंह के अभिभावक वीपी सिंह एवं आशा सिंह उपस्थित रहे। विद्यालय की अध्यक्षा मंजू शांडिल्य, सीईओ सचिन शांडिल्य, डायरेक्टर प्रियंका शांडिल्य एवं प्राचार्या प्रतिमा राजगोर ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्राचार्या ने विद्यालय की वार्षिक उपलब्धियों, बोर्ड परीक्षा परिणाम, शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने मेधावी छात्रों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना, नृत्य-नाटिका एवं विभिन्न लोकनृत्य रहे, जिनमें भारत की प्रमुख नदियों की सांस्कृतिक झलक दिखाई गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

ज्योतिष

बुध करेंगे शनि की राशि में प्रवेश, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

व्यापार के दाता बुध ग्रह जनवरी में अपनी मित्र राशि मकर में प्रवेश करने जा रहे हैं। जिससे कुछ राशियों का भाग्य चमक सकता है। साथ ही इन राशियों को आकस्मिक धनलाभ और तरक्की के योग बन रहे हैं।

मकर राशि : यह गोचर आपकी राशि से लग्न स्थान पर होगा। इसलिए इस दौरान आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। साथ ही आपको मान-सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगा। बुध ग्रह के आशीर्वाद से आपको धन- संपत्ति की भी प्राप्ति होगी। वहीं इस दौरान आध्यात्मिक सोच के साथ-साथ भौतिक सुखों में भी बढ़ोतरी होगी। साथ ही नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो आगे चलकर लाभकारी सिद्ध होंगी।

धनु राशि : बुध ग्रह आपकी राशि से दूसरे स्थान पर संचरण करेंगे। इसलिए इस दौरान आपको आकस्मिक धन की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही बिजनेस में इन दिनों धनु राशि वालों की अच्छी कमाई होने वाली है। कहीं से आपको अटका और गुप्त धन भी मिल सकता है। वहीं इस समय आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। साथ ही अचानक आय के नए स्रोत बनेंगे। वहीं जो लोग मार्केटिंग, मीडिया, बैंकिंग, शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं तो आपको अच्छा लाभ हो सकता है।

मेष राशि : बुध ग्रह आपकी राशि से कर्म भाव पर विचरम करेंगे। इसलिए इस समय आपको काम-कारोबार में तरक्की मिल सकती है। साथ ही नौकरी और व्यवसाय दोनों में उन्नति के योग हैं। वहीं सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही जो लोग नौकरी की तलाश में हैं तो उनको नौकरी मिल सकती है। वहीं व्यापारियों को अच्छा धनलाभ हो सकता है। वहीं यह समय नया काम शुरू करने के लिए अच्छा है।

नजदीक आएंगे सूर्य और मंगल देव, इन राशियों का होगा गोल्डन टाइम

जनवरी की शुरुआत में सूर्य और मंगल ग्रह की युति बनने जा रही है। यह युति शनि के स्वामित्व वाली राशि मकर में बनेगी। जिससे कुछ राशियों का भाग्य चमक सकता है। साथ ही धन- संपत्ति में अपार बढ़ोतरी हो सकती है।

तुला राशि: यह संयोग आपकी राशि से भौतिक सुख के भाव पर बनेगा। इसलिए इस अवधि में आपको भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी। आप कोई वाहन या प्रापर्टी खरीद सकते हैं। वहीं स्वास्थ्य ठीक रहेगा। धन से जुड़े मामलों में अप्रत्याशित सफलता मिलेगी। साथ ही नौकरी और व्यवसाय दोनों में उन्नति के योग हैं। सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वहीं इस समय आप कोई लग्जरी आयटम खरीद सकते हैं।

मेष राशि : यह युति आपकी गोचर कुंडली से करियर और कारोबार के स्थान पर बनने जा रहा है। इसलिए इस समय आपको काम- कारोबार में तरक्की मिल सकती है। साथ ही नए कार्य करने का उत्साह मिलेगा। वहीं आपको पुराने निवेश या धन संबंधी मामलों में सफलता मिलने की संभावना है। घरपरिवार का संतुलन आपके मन को संतोष देगा। साथ ही नया कार्य शुरू करने के लिए समय अनुकूल है।

मीन राशि : यह युति आपकी राशि से इनकम और लाभ स्थान पर बनेगी। इसलिए इस सयम आपकी आय में जबरदस्त इजाफा हो सकता है। साथ ही आय के नए- नए माध्यम से आप धन कमा सकते हैं। वहीं निवेश सफल होंगे और आमदनी बढ़ेगी। साथ ही धन आगमन के नए मार्ग बनेंगे। वहीं इस समय आपको शेयर बाजार, सट्टा और लॉटरी में लाभ हो सकता है।

मकर समेत इन राशियों पर रहेगी शनि देव की विशेष कृपा

कर्मफल के दाता शनि देव 2026 में गुरु की राशि मीन में गोचर करेंगे। इसके साथ ही साल की शुरुआत में शनि मीन राशि में मार्गी अवस्था में रहेंगे। वहीं इसके बाद 26 जुलाई 2026 को इसी राशि में शनि वक्री हो जाएंगे। जिससे कुछ राशियों पर शनि देव की विशेष कृपा रहेगी। वहीं इन लोगों के अधूरे कार्य बनेंगे। साथ ही करियर और कारोबार में तरक्की मिल सकती है।

मकर राशि: शनि देव आपकी राशि से तीसरे भाव पर संचरण कर रहे हैं। इसलिए इस साल आपके अटके हुए कार्य बनेंगे। साथ ही साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। वहीं धन आगमन के नए मार्ग बनेंगे। वहीं मान-सम्मान और यश में वृद्धि होगी। वहीं इस समय कार्यक्षेत्र में आपकी अलग पहचान बनेगी। वहीं खर्चों पर नियंत्रण आएगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वृष राशि : शनि देव आपकी राशि से 11वें स्थान पर संचरण कर रहे हैं। इसलिए आप लोगों को कुछ नए प्रोजेक्ट्स मिल सकते हैं। साथ ही अगर आपका काम- कारोबार एस्पोर्ट और इंपोर्ट से जुड़ा हुआ है तो आपको अच्छा लाभ हो सकता है। वहीं जो लोग शेयर बाजार, सट्टा और लॉटरी में निवेश करना चाहते हैं, उनको लाभ हो सकता है। व्यापार में नए ग्राहक, बेहतर सौदे और लाभ के संकेत बनेंगे।

कन्या राशि : शनि देव आपकी राशि से सप्तम भाव पर संचरण करेंगे। साथ ही आप पर गुरु बृहस्पति की कृपा बनी रहेगी। इस समय आपको पार्टनरशिप के काम में लाभ होगा। वहीं वैवाहिक जीवन शानदार रहेगा। साथ ही अविवाहित लोगों को विवाह का प्रस्ताव आ सकता है। वहीं इस दौरान धन से जुड़े मामलों में अप्रत्याशित सफलता मिलेगी। सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

इसकी चटनी का शरीर पर गर्म प्रभाव होता है, जिससे सर्दी कम लगती है।

सर्दियों का सुपरफूड है सफेद तिल, तरह-तरह के व्यंजन बनाकर करें सेवन

सर्दियों में शरीर को गर्माहट देने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए, जिनमें सफेद तिल भी शामिल होता है। इसे एक प्रकार के सुपरफूड की श्रेणी में गिना जा सकता है, क्योंकि यह कई पोषण तत्वों का भंडार होता है। यह स्वस्थ वसा, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, जिंक और विटामिन-बी से समृद्ध होता है। इसे आप कई तरीकों से अपनी सर्दियों वाली डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इन सभी की रेसिपी भी आसान होती हैं।

सफेद तिल के लड्डू

सफेद तिल के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले तिल को सूखा भूनकर एक कटोरे में निकाल लें। इसके बाद पैन में पहले दरदरे पीसे हुए बादाम और बाद में कद्दूकस किया हुआ सूखा नारियल भून लें। इन्हें तिल वाले कटोरे में मिला दें। अब एक कढ़ाई में धीमी आंच पर आधा कप गुड़ और थोड़ा पानी गर्म करें। जब गुड़ पिघल जाए तो इसमें सफेद तिल वाला मिश्रण मिलाकर इससे लड्डू बनाएं। ये लड्डू पोषण के साथ-साथ गर्माहट देंगे।

सफेद तिल को पीसकर बनाएं गजक

सर्दियों में सभी गजक का आनंद लेते हैं, जो सफेद तिल से बनती है। इसके लिए कढ़ाई में तिल को सूखा भून लें, जब तक उनका रंग हल्का भूरा न हो जाए। अब पैन में गुड़ और पानी को पकाएं, ताकि एक चिपचिपा मिश्रण तैयार हो सके। इस मिश्रण को चम्मच में डालकर देखें कि यह तुरंत सख्त हो रहा है या नहीं। इसी समय इसमें सफेद तिल मिला दें और एक घी लगी थाली में डालकर सख्त होने दें।

सफेद तिल की चटनी

आपने सर्दियों में सफेद तिल के लड्डू तो बहुत खाए होंगे, लेकिन एक बार इनसे बनी चटनी चखकर देखें। इस चटनी को बनाने के लिए सबसे पहले कढ़ाई में बिना तेल डाले सफेद तिल को भून लें। अब इन्हें मिक्सी में डालें और लहसुन, हरी मिर्च, नमक और पानी डालकर पीस लें। इसे आप रोटी, चावल या किसी भी पकवान के साथ खा सकते हैं। इस चटनी का शरीर पर गर्म प्रभाव होता है, जिससे सर्दी कम लगती है।

अनरसा की गोली

अनरसा की गोली सफेद तिल और चावल के आटे से बनने वाली मिठाई है। इसे बनाने के लिए एक बर्तन में चावल का आटा, दूध, चीनी और हल्का-सा घी मिलाकर मुलायम आटा गूंध लें। आटा गूंधने के बाद अगला स्टेप है अनरसे की गोली को आकार देना। इसके लिए उसे छोटे-छोटे भागों में बाटें और गोल-गोल आकार दें। अब कढ़ाई में घी गर्म कर लें और अनरसा की तल लें। इन्हें भूरा हो जाने दें, फिर सफेद तिल लगाकर खाएं।

रोजाना खाना चाहिए एक अंडा, मगर खाने का सही समय क्या है सुबह या शाम...?

अंडे को संपूर्ण आहार माना जाता है क्योंकि इसमें विटामिन सी को छोड़कर लगभग सभी पोषक तत्व पाए जाते हैं। पोषण विशेषज्ञ और डॉक्टर रोजाना एक अंडा खाने की सलाह देते हैं। अंडे खाने से शरीर को भरपूर पोषण मिलता है और कई पोषक तत्वों की कमी दूर होती है। कई लोगों के मन में सवाल रहता है कि अंडे खाने का सबसे अच्छा समय क्या है।

अंडा जिंक का एक बेहतरीन स्रोत : अंडे जिंक का एक बेहतरीन स्रोत हैं। जिंक श्वेत रक्त कोशिकाओं के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करता है। जिंक खांसी और जुकाम जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव में सहायक होता है। पुरुषों में यह यौन क्षमता बढ़ाने में मददगार साबित होता है।

मांसपेशियों के लिए फायदेमंद : अंडे में मौजूद मैग्नीशियम मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है। यह मांसपेशियों के दर्द को कम करने में सहायक होता है। नियमित रूप से अंडे का सेवन मांसपेशियों को मजबूत और स्वस्थ बनाता है। अंडे में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है जो मांसपेशियों के निर्माण के लिए आवश्यक है।

अंडे से मिलता है भरपूर आयरन : अंडे आयरन का भी एक बेहतरीन स्रोत हैं। आयरन हीमोग्लोबिन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह रक्त की मात्रा बढ़ाने में सहायक होता है। अंडे का नियमित सेवन एनीमिया की समस्या को दूर करने में मददगार साबित होता है।

ऊर्जा के स्तर में सुधार : अंडे खाने से शरीर को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन मिलता है। इससे शरीर को ऊर्जा मिलती है और व्यक्ति सक्रिय रहता है। शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ने से थकान और सुस्ती कम होती है। अंडे का सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है।

वजन घटाने में भी लाभदायक : अंडे खाने के बाद लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। इससे व्यक्ति कम भोजन खाता है। यह वजन कम करने में सहायक साबित होता है। रोजाना की डाइट में अंडे को शामिल करने के कई स्वास्थ्य लाभ हैं।

सही समय का रखें ध्यान : वैज्ञानिकों के अनुसार सुबह के समय अंडे खाने के सबसे अधिक फायदे हैं। खासकर सुबह व्यायाम करने के बाद अंडे खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है। इससे व्यक्ति पूरे दिन सक्रिय रहता है। जो लोग दिनभर शारीरिक मेहनत करते हैं उनके लिए सुबह अंडे खाना विशेष लाभकारी होता है।

सर्दियों में बीमारियों को दूर करने बनाएं आंवले की खट्टी-मिट्ठी लौंजी

सर्दियों के मौसम में बाजार में ताज़ा आंवला खूब मिलता है और लोग इसे अलग-अलग तरीकों से खाने का शौक रखते हैं। आमतौर पर आंवला का अचार, मुरब्बा और चटनी तो हर घर में बनती है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि आम की तरह आंवला की खट्टी-मीठी लौंजी भी बेहद स्वादिष्ट और सेहतमंद होती है। यह विटामिन सी सहित कई पोषक तत्वों से भरपूर होेता है और प्रतिरक्षा शक्ति बढ़ाने में मदद करती है। इसे पराठे या पूरी के साथ सर्व किया जा सकता है और यह 2 से 3 दिन तक आराम से सुरक्षित रहती है।

शरीर के लिए बेहद फायदेमंद : हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार आंवला ना केवल इम्युनिटी मजबूत करता है बल्कि यह बालों, त्वचा, हार्ट हेल्थ, शुगर नियंत्रण और लिवर की सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इसमें मौजूद एंटी-एजिंग प्रॉपर्टीज आंखों की सेहत में भी सहायक मानी जाती हैं। आंवला की लौंजी खासतौर पर सौंफ, धनिया जैसे पोषक मसालों और गुड़ के इस्तेमाल से और भी पौष्टिक बन जाती है। गुड़ इसमें मिठास के साथ तासीर को बैलेंस करने का काम करता है।

लौंजी के लिए आवश्यक सामग्री : आंवला – 250 ग्राम। लाल मिर्च पाउडर – 1 छोटा चम्मच। हरी मिर्च – 2 से 3। हल्दी – चम्मच। हींग – एक चुटकी। धनिया पाउडर – 2 चम्मच।

सौंफ – 1 चम्मच। सरसों के दाने – 1 छोटा चम्मच। नमक – स्वादानुसार। तेल – आवश्यकता अनुसार। गुड़ थोड़ा सा (छोटे टुकड़े)।

लौंजी बनाने की विधि : सबसे पहले आंवला को अच्छी तरह धोकर उबाल लें या स्टीम में पकाएं। ठंडा होने पर गुठली निकालकर टुकड़ों में काटें और हल्का मैश कर लें। पैन में तेल गरम करें और राई, जीरा व हरी मिर्च का तड़का लगाएं। मसालों में धनिया पाउडर, सौंफ, हींग, हल्दी और नमक डालकर भूनें। अब इसमें उबला और मैश किया हुआ आंवला डालकर कुछ देर चलाएं और भूनें। थोड़ा पानी डालकर ढककर 2–3 मिनट पकने दें। ढक्कन खोलकर गुड़ डालें और पिघलने पर गैस बंद कर दें। तैयार लौंजी पर मसालों और गुड़ की परफेक्ट कोटिंग दिखने लगे तो यह सर्व करने के लिए तैयार है। आंवला की यह लौंजी सर्दियों में स्वाद के साथ सेहत का भी शानदार मेल है। इसे गरमा-गरम पराठे या पूरी के साथ परोसकर घरवालों का दिल जीतें।

सर्दियों में स्वेटर और मोजे पहनकर सोना सही है या गलत...

सर्दियों में कई लोग स्वेटर और मोजे पहनकर सोते हैं। यह आदत गर्मी तो देती है लेकिन क्या यह स्वास्थ्य के लिए सही है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार स्वेटर पहनकर सोना कुछ स्थितियों में ही उचित है। स्वेटर साफ और सूटेबल होना चाहिए। गंदे या टाइट स्वेटर त्वचा समस्याएं पैदा कर सकते हैं। यह सर्दियों की नींद में खलल भी डाल सकता है।

सोते समय कपड़ों का चुनाव नींद की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। हमेशा कॉटन या लिनेन के कपड़े पहनने चाहिए। ये कपड़े त्वचा को सांस लेने देते हैं। लूज फिट कपड़े नींद में आरामदायक होते हैं। ठंड में थर्मल पजामे या हल्के स्वेटर उपयुक्त रहते हैं। ये स्वास्थ्य सुझाव बेहतर नींद में मदद करती हैं।

स्वेटर पहनकर सोने के नुकसान और फायदे

स्वेटर पहनकर सोना सर्दियों में गर्मी देता है। परंतु यह आदत कुछ मामलों में नुकसानदायक भी हो सकती है। बहुत टाइट स्वेटर नींद में बाधा डालते हैं। गंदे स्वेटर त्वचा पर रैशेज पैदा कर सकते हैं। स्वेटर हमेशा साफ और आरामदायक होना चाहिए। सर्दियों के अलावा अन्य मौसम में स्वेटर पहनने से बचना चाहिए।

स्वेटर लेते समय फैब्रिक पर दें ध्यान : स्वेटर का चुनाव करते समय फैब्रिक पर ध्यान देना जरूरी है। प्राकृतिक रेशों वाले स्वेटर बेहतर होते हैं। ये त्वचा के लिए हानिकारक नहीं होते। सोते समय हल्के और मुलायम स्वेटर पहनने चाहिए। भारी स्वेटर नींद के दौरान परेशानी पैदा कर सकते हैं। सर्दियों में हल्का स्वेटर उपयुक्त रहता है।

मोजे पहनकर सोना है सही या गलत : मोजे पहनकर सोना सर्दियों में आरामदायक लगता है। यह पैरों को ठंड से बचाता है। परंतु टाइट मोजे रक्त संचार को प्रभावित कर सकते हैं। हमेशा लूज और स्ट्रेचेबल मोजे पहनने चाहिए। गंदे मोजे त्वचा संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। रोजाना साफ मोजे पहनना जरूरी है।

मोजे पहनकर सोने से बचना चाहिए : गर्मियों में मोजे पहनकर सोने से बचना चाहिए। इससे पसीना और परेशानी हो सकती है। सर्दियों में विंटर स्लीप के दौरान मोजे उपयोगी हो सकते हैं। मोजे का सही चुनाव नींद की गुणवत्ता बढ़ाता है। एक्सपर्ट्स सूती मोजे पहनने की सलाह देते हैं। ये हेल्थ टिप्स बेहतर नींद में मददगार साबित होती हैं।

सोते समय कपड़ों का सही चुनाव

नींद के दौरान पहने जाने वाले कपड़े विशेष महत्व रखते हैं। कॉटन के कपड़े सबसे उपयुक्त माने जाते हैं। ये कपड़े नमी सोखने में सक्षम होते हैं। लूज फिट कपड़े शरीर को आराम देते हैं। ठंड में परतों में कपड़े पहनना बेहतर होता है। इससे तापमान नियंत्रित रहता है। गर्म कपड़ों का चुनाव मौसम के अनुसार करना चाहिए। सर्दियों में हल्के गर्म कपड़े उपयुक्त रहते हैं। बहुत भारी कपड़े नींद में खलल डाल सकते हैं। कपड़े साफ और मुलायम होने चाहिए। यह त्वचा के लिए भी लाभदायक रहता है। सही कपड़े चुनना बेहतर नींद की कुंजी है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

फिल्मों में लड़कियों को नहीं करेंगे किस जॉर्ज क्लूनी ने इसलिए लिया फैसला

हॉलीवुड के जाने माने एक्टर जॉर्ज क्लूनी ने अपने एक्टिंग करियर में एक बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने एलान किया है कि वह फिल्मों में लड़कियों के साथ किसिंग सीन नहीं करेंगे। 64 साल के अभिनेता क्लूनी ने जानकारी दी है कि उन्होंने यह फैसला अपनी पत्नी अमाल क्लूनी से बातचीत के बाद लिया है। जॉर्ज क्लूनी ने कहा 'मैं पॉल न्यूमैन वाली राह पर चलने की कोशिश कर रहा हूं। अब मैं किसी लड़की को किस नहीं करूंगा। जब मैं 60 साल का हुआ, तो अपनी पत्नी से बात की। मैंने कहा- मैं अब भी 25 साल के लड़कों के साथ बास्केटबॉल खेल सकता हूं। मैं फिट हूं। लेकिन 25 साल बाद मैं 85 का हो जाऊंगा। कितने भी ग्रेनोला बार खा लूं लेकिन यही सच है।' जॉर्ज क्लूनी ने पहले भी इस तरह की बातें की थीं। इस साल मार्च में उन्होंने कहा था कि वह रोमांटिक फिल्मों से दूर हो रहे हैं। 60 मिनट्स से बातचीत में उन्होंने कहा था 'मैं 63 साल का हूं। मैं 25 साल के लीडिंग मैन से कंपटीशन नहीं करना चाहता। ये मेरा काम नहीं है। मैं अब रोमांटिक फिल्में नहीं कर रहा।' अपने कॅरियर की शुरुआत को याद करते हुए, एक्टर ने बताया कि एक बार एक निर्देशक को उनकी ऑन स्क्रीन किसिंग पसंद नहीं आई थी। इसलिए उन्होंने उनकी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था। 'मुझे याद है, करियर के शुरुआत में मुझे एक किसिंग सीन करना था।

टॉलीवुड

सामंथा के साथ हुई बदसलूकी पर दोस्त चिन्मयी श्रीपदा का फूटा गुस्सा

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु हाल ही में हैदराबाद में आयोजित एक इवेंट के दौरान जिस तरह भीड़ में घिर गईं, उसने एक बार फिर से सेलिब्रिटी सेफ्टी और क्राउड मैनेजमेंट पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना के बाद सिंगर और वॉयस आर्टिस्ट चिन्मयी श्रीपदा ने खुलकर नाराज़गी जाहिर की और सोशल मीडिया के ज़रिये अपना गुस्सा सामने रखा। हैदराबाद में एक स्टोर ओपनिंग के दौरान सामंथा की मौजूदगी की खबर फैलते ही सैकड़ों लोग वहां उमड़ पड़े। हालात इतने बेकाबू हो गए कि अभिनेत्री को चलने तक में दिक्कत होने लगी। वायरल वीडियो में देखा गया कि सामंथा की टीम उन्हें घेरकर किसी तरह कार तक पहुंचाने की कोशिश कर रही थी। इस दौरान कई बार उनका संतुलन बिगड़ा और वह फिसलती भी नजर आईं। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा चर्चा सामंथा के टीम मेंबर आर्या को लेकर हुई, जो भीड़ से उन्हें बचाने की कोशिश कर रहे थे। इसी को लेकर चिन्मयी श्रीपदा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जिस तरह आर्या अपने पूरे शरीर से सामंथा को बचा रहे थे, उससे साफ है कि उन्हें भी चोटें आई होंगी। चिन्मयी ने लिखा कि सैकड़ों लोगों की बेकाबू भीड़ को संभालना किसी अभिनेत्री का काम नहीं है। यह न सिर्फ आयोजकों की जिम्मेदारी है, बल्कि वहां मौजूद हर व्यक्ति की भी नागरिक जिम्मेदारी बनती है कि वह बुनियादी शालीनता का पालन करे। चिन्मयी श्रीपदा ने इस घटना को महज एक हादसा मानने से इनकार करते हुए सीधे तौर पर मिसमैनेजमेंट और लोगों की सिविक सेंस की कमी को जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना था कि जब किसी इवेंट में किसी बड़ी हस्ती के आने की जानकारी पहले से होती है, तो सुरक्षा के इंतज़ाम भी उसी स्तर के होने चाहिए। उन्होंने यह भी इशारा किया कि महिलाओं के साथ इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और हर बार इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है, जब तक कि कोई बड़ा हादसा न हो जाए। सामंथा की यह घटना कोई पहली नहीं है।

भोजपुरी

परिणय सूत्र में बाल विवाह और दोस्ती की कहानी

रानी चटर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'परिणय सूत्र' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म बाल विवाह को दिखाती है। इसके साथ ही दोस्ती की मिसाल भी पेश करती है। फिल्म का ट्रेलर बी4यू भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इसमें दो सहेलियों की कहानी है। एक सहेली के किरदार में रानी चटर्जी हैं और दूसरी सहेली तनुश्री हैं। तनुश्री की दो बेटियां हैं और रानी चटर्जी का एक बेटा है। दोनों सहेलियां मिलकर अपने बच्चों की शादी कराने का फैसला करती हैं। रानी चटर्जी अपने बेटे की शादी तनुश्री की बेटी से करती हैं और यह बाल विवाह होता है। तनुश्री का परिवार इस शादी के खिलाफ होता है। गौना होने तक तनुश्री को अपनी सहेली यानी रानी के खिलाफ भड़का दिया जाता है। तनुश्री के परिवार वाले कहते हैं कि शादी उसकी दो लड़कियों पर दया दिखाने के लिए की गई है, क्योंकि वे गरीब परिवार से हैं। गलतफहमियों की वजह से रानी और तनुश्री की दोस्ती का रिश्ता टूट जाता है। मगर फिल्म में एक हादसा होता है। इसके बाद एक ट्विस्ट आता है। दरअसल, हादसे में रानी चटर्जी की सहेली तनुश्री की मौत हो जाती है। ऐसे में रानी चटर्जी तनुश्री की बेटी को अपनाती हैं या क्या होता है? यह ट्रेलर के क्लाइमैक्स में देखने को मिलेगा, जिसकी दर्शकों ने तारीफ की है। इस ट्रेलर को यूट्यूब पर दो लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। फिल्म के ट्रेलर पर दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है। ट्रेलर में इमोशन भी है, हंसी-मजाक के साथ ड्रामा भी भरपूर है। फिल्म का निर्देशन मंजुल ठाकुर ने किया है, जबकि कहानी अरबिंद कहानी की है।

लाइफ स्टाइल

भाग्यश्री ने साड़ी में दिखाया ग्लैमर

फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स 2025 के रेड कार्पेट पर जैसे ही एंट्री मारी भाग्यश्री ने तो उनका नूर छा गया। वो आगे-आगे साड़ी में सुदंरता दिखाती नजर आईं। तो पीछे-पीछे एक्ट्रेस की बेटी भी भाई संग पहुंच गई। भाग्यश्री की बेटी अवंतिका ने देसी लुक की जगह स्टाइलिश अंदाज दिखाया। कंधे दिखाती चमचमाती ड्रेस में वो ग्लैमर का तड़का लगाती नजर आईं। पर भाग्यश्री ने साड़ी में ग्रेसफुल लुक दिखाकर बता दिया कि बिना ग्लैमर का तड़का लगाए भी स्टनिंग लुक लिया जा सकता है।

सर्दियों में इन तरीकों से पहनें साड़ी, ठंड से रहेंगे सुरक्षितऔर दिखेंगी स्टाइलिश

साड़ी भारतीय महिलाओं के का सबसे पसंदीदा पारंपरिक है, जो खूबसूरती को निखारता है। सर्दियों में ठंड से बचने के लिए साड़ी पहनने का तरीका थोड़ा अलग होता है। इस मौसम में ऐसे साड़ी पहननी चाहिए, जिसमें न तो ठंड महसूस हो और न ही स्टाइल से समझौता करना पड़े। आज के फैशन टिप्स में हम आपको बताएंगे कि आप सर्दियों में किस तरह साड़ी पहनकर ठंड से बचाव कर सकती हैं।

ब्लेजर को ब्लाउज की तरह पहनें : सर्दियों में कॉटन आदि के कपड़े वाले ब्लाउज पहनना सही नहीं होता। इनके बजाय आप साड़ी के नीचे ब्लेजर पहन सकती हैं। यह न केवल आपको गर्म रहने में मदद करेगा, बल्कि आपके लुक को भी खास बना देगा। आप एक सादा ब्लेजर चुन सकती हैं, लेकिन अगर उसमें हल्की कढ़ाई हो तो वह और भी खूबसूरत लगेगा। इसके साथ पल्लू की प्लीट्स बनाएं और उसे स्कार्फ की तरह लपेट लें।

मोटे कपड़े वाला पेटीकोट चुनें : साड़ी के नीचे पहनने वाला पेटीकोट भी आपको ठंड से बचा सकता है। इस मौसम में मोटे कपड़े का पेटीकोट चुनना बेहतर होता है, क्योंकि यह आपको अतिरिक्त गर्माहट दे सकता है। आप ऊनी कपड़े वाले पेटीकोट का चयन कर सकती हैं, जो आपके लिए सबसे ज्यादा आरामदायक रहेगा। इसके अलावा मोटे कपड़े का पेटीकोट पहनने से साड़ी भी सही तरीके से बैठती है और आपको शानदार लुक मिल सकता है।

भारी कढ़ाई वाली साड़ी चुनें

अगर आप सर्दियों में साड़ी पहनने जा रही हैं तो भारी कढ़ाई वाली साड़ी चुनना बेहतर होता है। ये साड़ियां न केवल आपको गर्म रख सकती हैं, बल्कि आपके लुक को भी खास बना सकती हैं। आप बनारसी, कांजीवरम या फिर अन्य सिल्क की साड़ियों का चयन कर सकती हैं, जिनपर हल्की कढ़ाई हो। इन साड़ियों की चमक और डिजाइन आपके लुक को और आकर्षक बनाएगी और इनका मोटा कपड़ा ठंड से बचाएगा।

ऊनी साड़ियों का चयन करें

सर्दियों में आपको ऊनी कपड़े वाली साड़ियां ही पहननी चाहिए, जो इन दिनों चलन में भी हैं। ऊन से बनी होने के कारण ये शरीर को गर्म रखेंगी और आपके शरीर की गर्मी को भी रोककर रखेंगी। आप चाहें तो इसके ऊपर से ऊनी शॉल भी लपेट सकती हैं, जो अतिरिक्त गर्मी और स्टाइल प्रदान करेगी। इस तरह की साड़ी के साथ मिलने वाला ब्लाउज भी ऊनी कपड़े से ही बना होता है।

अपनी शादी के लहंगे को दोबारा पहनने के लिए इन तरीकों को अपनाएं

फैशन

शादी का दिन हर लड़की के जीवन का सबसे खास दिन होता है। इस दिन पहने जाने वाला लहंगा न केवल खूबसूरत होता है, बल्कि उसमें बहुत सारी यादें भी जुड़ी होती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप अपने शादी के लहंगे को कई बार अलग-अलग तरीकों से पहन सकती हैं? आइए आज हम आपको कुछे ऐसे आसान और क्रिएटिव तरीके बताते हैं, जिनसे आप अपने शादी वाले लहंगे को दोबारा पहन सकती हैं।

लहंगे के ब्लाउज को साड़ी के साथ पहनें : अगर आपके पास एक भारी कढ़ाई वाला लहंगा है तो आप उसके ब्लाउज को अपनी किसी साड़ी के साथ पहन सकती हैं। इस तरह से न केवल आपका लहंगा नया लुक देगा, बल्कि उसे दोबारा पहनने का एक नया तरीका भी मिल जाएगा। इस तरीके से आप अपने लहंगे को किसी खास मौके पर पहन सकती हैं। इसके साथ साड़ी के साथ की ज्वेलरी पहनें, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

लहंगे की स्कर्ट को कुर्ते के साथ पहनें : अगर आपका लहंगा बहुत भारी है और आप उसे रोजमर्रा में नहीं पहन सकतीं तो उसकी स्कर्ट को एक साधारण कुर्ते के साथ मिलाकर पहनें। इस तरह से आपका लहंगा एक नई पहचान पाएगा और आप इसे आसानी से पहन सकेंगी। इसके साथ एक हल्का दुपट्टा लें, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। इस तरीके से आप अपने पुराने लहंगे को नए अंदाज में पहन सकती हैं और उसे दोबारा इस्तेमाल कर सकती हैं।

लहंगे के ब्लाउज को जींस के साथ पहनें : अगर आप अपने लहंगे को रोजमर्रा में पहनना चाहती हैं तो उसके ब्लाउज को जींस के साथ मिलाकर पहन सकती हैं। यह एक बहुत ही आधुनिक और स्टाइलिश तरीका है, जिससे आपका लुक बेहद खास लगेगा। इसके साथ एक हल्का जैकेट या शॉल लें, जिससे आपका लुक और भी आकर्षक लगेगा। इस तरह आप अपने पुराने लहंगे को नए अंदाज में पहन सकती हैं और उसे दोबारा इस्तेमाल कर सकती हैं।

लहंगे के पल्लू को दुपट्टे की तरह लें : अगर आपके पास एक बड़ा पल्लू बचा हुआ है तो उसे दुपट्टे की तरह लेकर पहन सकती हैं। यह तरीका न केवल आपके लहंगे को नया लुक देगा, बल्कि उसे दोबारा इस्तेमाल करने का एक आसान तरीका भी होगा। इस तरह से आप अपने पुराने लहंगे को नए अंदाज में पहन सकती हैं और उसे दोबारा इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके साथ एक हल्का ब्लाउज या कुर्ता पहनें, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

डेनिम जैकेट के साथ इन कपड़ों का करें चयन, दिखेंगी स्टाइलिश, मिलेगा आराम

सर्दियों में डेनिम जैकेट एक बेहतरीन विकल्प है क्योंकि यह न केवल आपको गर्म रखती है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाती है। सही कपड़ों के साथ डेनिम जैकेट पहनने से आपका लुक और भी खास बन सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे कपड़ों के बारे में बताएंगे, जिन्हें डेनिम जैकेट के साथ पहनकर आप सर्दियों में भी स्टाइलिश दिख सकते हैं और आराम महसूस कर सकते हैं।

ऊनी स्वेटर या स्वेटशर्ट के साथ पहनें : ऊनी स्वेटर या स्वेटशर्ट के साथ डेनिम जैकेट पहनना एक अच्छा विचार है। यह न केवल आपको ठंड से बचाता है, बल्कि आपके लुक को भी खास बनाता है। आप नीले या काले रंग की डेनिम जैकेट को ग्रे या सफेद रंग के ऊनी स्वेटर या स्वेटशर्ट के साथ पहन सकते हैं। यह मेल आपको एक स्मार्ट और आकर्षक लुक देगा, जिससे आप कहीं भी जाएं, वहां स्टाइलिश दिखेंगी।

फ्लेनल शर्ट के साथ बनाएं मेल

फ्लेनल शर्ट के साथ डेनिम जैकेट पहनना भी एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। फ्लेनल शर्ट की नरमाई और डेनिम जैकेट की मजबूती का मेल आपके लुक को खास बना सकता है। आप लाल या हरे रंग की फ्लेनल शर्ट को नीली डेनिम जैकेट के साथ पहनकर एक आकर्षक लुक पा सकते हैं। यह मेल न केवल आरामदायक है बल्कि आपको ठंड से भी बचाता है, जिससे आप सर्दियों में भी स्टाइलिश दिखेंगी।

बहुत स्टाइलिश लुक देती है बीनी टोपी, इसे इन तरीकों से पहनें तो लगेंगी बेहद सुंदर

सर्दियों में जो टोपी सबसे ज्यादा पसंद की जाती है, वह बीनी ही है। यह ऊनी टोपी न केवल सिर को गर्म रखती है, बल्कि यह पूरे लुक को भी खास बना सकती है। सही तरीके से बीनी टोपी पहनने पर आप न केवल ठंड से बच सकती हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिख सकते हैं। इस लेख में हम आपको बीनी को स्टाइल करने के 4 फैशन टिप्स देंगे। इन्हें अपनाने पर सभी आपकी तारीफ करेंगे और प्रेरणा लेंगे।

जींस और स्वेटर के साथ पहनें : जींस और स्वेटर के साथ बीनी कैप एक बढ़िया आउटफिट हो सकता है। अपने स्वेटर और जींस के रंग के हिसाब से ही बीनी टोपी का चुनाव करें। इससे रंगों का सही मेल मिलेगा और आपका आउटफिट भड़कीला नहीं लगेगा।

आप गहरे रंगों वाले स्वेटर के साथ काली, भूरी या मेहरून बीनी पहन सकती हैं। इसके अलावा हल्के रंगों वाले स्वेटर और जींस के साथ सफेद, गुलाबी या नीली बीनी पहनें।

जैकेट के साथ स्टाइल करें : जैकेट के साथ बीनी टोपी पहनना एक स्मार्ट लुक प्रदान कर सकता है। अगर आप किसी औपचारिक या अर्ध-औपचारिक अवसर पर जा रही हैं तो काले रंग की जैकेट के साथ ग्रे या नीले रंग की बीनी बहुत अच्छी लगेगी। यह मेल आपको पेशेवर और स्टाइलिश दिखा सकता है। इसके अलावा आप इसे अलग-अलग तरह की जैकेट के साथ भी पहन सकती हैं, जैसे कि लेदर जैकेट या डेनिम जैकेट।

आपने ड्रेस के साथ पेयर करें : ड्रेस के साथ बीनी टोपी पहनना एक नया फैशन ट्रेंड बन गया है। खासकर अगर आप सादी ड्रेस पहन रही हैं तो विपरीत रंग की बीनी टोपी आपके लुक को खास बना सकती है। उदाहरण के लिए, लाल रंग की ड्रेस के साथ काली या ग्रे बीनी बहुत अच्छी लगती है। इसके अलावा आप अलग-अलग तरह की प्रिंटेड ड्रेस के साथ भी बीनी टोपी पहन सकती हैं, जिससे आपका पूरा लुक और भी आकर्षक लगेगा।

कार्नर न्यूज

खुद को गर्म रखने के साथ-साथ स्टाइलिश दिखना भी जरूरी

ठंड से बचने और स्टाइलिश दिखने के लिए पुरुष पहन सकते हैं ब्लॉक प्रिंट वाले स्कार्फ

ठंड के मौसम में पुरुषों के लिए खुद को गर्म रखने के साथ-साथ स्टाइलिश दिखना भी जरूरी है। ब्लॉक प्रिंट वाले स्कार्फ इस काम में मदद कर सकते हैं। ये न केवल आपको ठंड से बचाते हैं, बल्कि आपके लुक को भी खास बनाते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ब्लॉक प्रिंट स्कार्फ के बारे में बताएंगे, जो आपके अलमारी का हिस्सा बन सकते हैं और ठंडे मौसम में आपको स्टाइलिश बनाएंगे।

सूती ब्लॉक प्रिंट स्कार्फ

सूती ब्लॉक प्रिंट स्कार्फ सबसे आरामदायक होते हैं। ये हल्के होते हैं और आसानी से लिपटे जा सकते हैं, जिससे आपको ठंड से बचाव मिलता है। इनकी खासियत यह है कि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं, जिससे पसीना नहीं आता। आप इन्हें किसी भी कपड़े के साथ पहन सकते हैं, चाहे वह कुर्ता-पायजामा हो या जैकेट।

ऊनी ब्लॉक प्रिंट स्कार्फ

ऊनी ब्लॉक प्रिंट स्कार्फ ठंडे मौसम में सबसे ज्यादा गर्माहट प्रदान करते हैं। इनका मोटा कपड़ा ठंडी हवा को रोकता है और आपको गर्म रखता है। ऊनी स्कार्फ खासकर सर्दियों में बहुत उपयोगी होते हैं क्योंकि ये लंबे समय तक गर्माहट प्रदान करते हैं। आप इन्हें कोट या जैकेट के साथ पहन सकते हैं, जिससे आपका लुक और भी आकर्षक बनता है।

कश्मीरी ब्लॉक प्रिंट स्कार्फ

कश्मीरी ब्लॉक प्रिंट स्कार्फ सबसे महंगे और बेहतरीन होते हैं। कश्मीरी ऊन से बने ये स्कार्फ बहुत ही मुलायम होते हैं और लंबे समय तक टिकाऊ रहते हैं। इनकी खासियत यह है कि ये ठंडी हवा को रोकते हुए आपको गर्म रखते हैं। कश्मीरी स्कार्फ की डिजाइन भी बहुत आकर्षक होती है, जिससे आपका लुक और भी खास बनता है। आप इन्हें किसी भी प्रकार की पोशाक के साथ पहन सकते हैं, जिससे आपका स्टाइल और भी निखरता है।

रेशमी ब्लॉक प्रिंट स्कार्फ

रेशमी ब्लॉक प्रिंट स्कार्फ न केवल आरामदायक होते हैं बल्कि बहुत सुंदर भी दिखते हैं। रेशम का मुलायम कपड़ा आपके गले और सिर को आराम देता है। इसे आप किसी भी प्रकार की पोशाक के साथ पहन सकते हैं, चाहे वह पारंपरिक हो या आधुनिक। रेशम स्कार्फ की खासियत यह है कि ये हल्के होते हैं और आसानी से लिपटे जा सकते हैं, जिससे आपको ठंड से बचाव मिलता है।

लिनन ब्लॉक प्रिंट स्कार्फ

लिनन ब्लॉक प्रिंट स्कार्फ गर्मियों में भी उपयोगी हो सकते हैं। लिनन का हल्का कपड़ा पसीना सोखता है और आपको ठंडक देता है। इसे आप किसी भी प्रकार की पोशाक के साथ पहन सकते हैं। लिनन स्कार्फ की खासियत यह है कि ये आसानी से धोए जा सकते हैं और जल्दी सूख जाते हैं, जिससे उनका रखरखाव आसान होता है। इन सभी विकल्पों में से आप अपनी पसंद के अनुसार चुन सकते हैं।